त्रिपुरी टाइम्स

11th ANNIVERSARY

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 49

जबलपुर, बुधवार 18 मार्च 2026

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

पीएनजी का नया कनेक्शन 24 घंटे के अंदर मिलेगा पाइपलाइन बिछाने के लिए तमाम मंजूरियों की जरूरत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर सरकार ने पाइप के माध्यम से रसोई गैस का पीएनजी कनेक्शन लेने वालों के लिए प्रोत्साहन योजना शुरू करने के साथ- साथ नये आवेदनों को 24 घंटे में मंजूरी देने का निर्णय लिया है। उपभोक्ताओं को रसोई गैस सिलेंडर आसानी से उपलब्ध कराने के लिए सरकार जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ व्यापक अभियान चला रही है । इसके तहत पिछले कुछ दिनों में देश भर में लगभग 12,000 छापे मारे गए हैं और लगभग 15,000 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। उत्तर प्रदेश में दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा घरेलू एलपीजी का उत्पादन भी 38 प्रतिशत बढ गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने पश्चिम एशिया के संकट से उत्पन्न स्थिति की जानकारी देने के लिए बुलाये गये संवाददाता सम्मेलन में मंगलवार को बताया कि केन्द्र सरकार वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी में स्थानांतरित करने की कोशिश कर रही है। केन्द्र ने राज्य सरकारों को पत्र लिखकर उनसे अनुरोध किया है कि

पीएनजी की नयी पाइपलाइन बिछाने के लिए सभी अनुमतियां स्वीकृति मानी जाएं और स्थानीय प्राधिकरण द्वारा लगाए जाने वाले सड़क पुनर्स्थापन और अनुमति शुल्क को माफ किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस दिशा में जीएएल अथॉरिटी ऑफ इंडिया पहले ही सभी सीजीडी कंपनियों के साथ बैठक कर चुकी है। इसके अलावा, पीएनजी आरबीआई ने भी एक परामर्श जारी किया है। श्रीमती शर्मा ने कहा ,' हमारी सीजीडी कंपनियां जैसे आईजीएल, एमजीएल, जीएएल इंडिया और बीपीसीएल ने उन कंपनियों के लिए विभिन्न प्रोत्साहन घोषित किए हैं जो पीएनजी कनेक्शन लेना चाहती हैं। इसी प्रकार, भारत सरकार ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा है। उनसे अनुरोध किया गया है कि पाइपलाइन बिछाने की सभी अनुमतियों को स्वीकृत माना जाए।' उन्होंने कहा कि नए आवेदनों को 24 घंटे के भीतर मंजूरी दी जानी चाहिए। राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा लगाए जाने वाले सड़क पुनर्स्थापन और अनुमति शुल्क को माफ किया जाना चाहिए साथ ही कार्य समय और कार्य अवधि में भी छूट दी जानी चाहिए। संयुक्त सचिव ने कहा कि एक नोडल प्राधिकरण भी नियुक्त किया जाना चाहिए ताकि समन्वय बना रहे और कार्य तेजी से किए जा सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि एलपीजी के मामले में, 'मैं कहना चाहूंगी कि स्थिति अभी भी चिंताजनक है। हालांकि, किसी भी एलपीजी वितरक पर कोई कमी नहीं है। रिटेल आउटलेट्स पर किसी प्रकार की कमी नहीं है। पेट्रोल और डीजल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

पिता नीतीश कुमार को फूलों का गुलदस्ता दिया और कंधे पर हाथकर मुस्कुराते दिखे निशांत

बिहार में राज्यसभा मतदान के बाद एनडीए के सभी पांच प्रत्याशियों की जीत तय

पटना, एजेंसी। बिहार के सीएम नीतीश कुमार का राज्यसभा जाना तय है। सोमवार को हुए मतदान के बाद रिजल्ट जारी हुआ और एनडीए के सभी पांच प्रत्याशियों की जीत तय कर दी गई। रिजल्ट के बाद एनडीए के इन नेताओं को बधाई मिल रही है। सीएम नीतीश कुमार के बेटे निशांत ने भी अपने पिता को जीत की बधाई दी है। राज्यसभा चुनाव के रिजल्ट के बाद निशांत ने अपने एक्स हैंडल से सोमवार की शाम चार तस्वीरें शेयर कीं। एक तस्वीर में वह अपने पिता नीतीश कुमार को गुलदस्ता देते नजर आ रहे हैं। एक दूसरी तस्वीर में पिता के कंधे पर हाथ रखकर मुस्कुराते दिख रहे हैं। फोटो शेयर करते हुए निशांत ने लिखा है, जय बिहार! आज एनडीए के पांचों लोगों की निर्णायक जीत पर मैंने पिताजी को बधाई दी। जिन्होंने हर बिहारवासी को गौरवान्वित किया उन्हें बधाई। अभिनंदन। एक पुत्र के रूप में मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। वहीं एनडीए के सभी पांच प्रत्याशियों की जीत पर जेडीयू के एक्स हैंडल से लिखा गया- राज्यसभा चुनाव में एकजुट एनडीए ने बिहार के लिए नया इतिहास रच दिया है। पांचों सीटों पर शानदार जीत एनडीए की मजबूत एकजुटता का परिणाम है। यह सफलता सीएम नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व पर विश्वास और उनकी रणनीति की जीत है। समृद्धि की ओर बढ़ता बिहार हर क्षेत्र में विकास की नई संभावनाओं के साथ आगे बढ़ रहा है। एनडीए की यह निर्णायक जीत बिहार की प्रगति और एकजुटता की कहानी को और मजबूत करती है।

प्रधानमंत्री मोदी की इजरायल यात्रा के तुरंत बाद मिला ईरान पर हमले का असली मौका: अजार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले महीने 25 से 26 फरवरी तक किए गए इजरायल दौरे के बाद पश्चिम-एशिया में छिड़ी भीषण जंग को लेकर देश में विपक्षी दलों द्वारा की जा रही तमाम टीका-टिप्पणियों के बीच भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन आजार का एक महत्वपूर्ण बयान सामने आया है। जिसमें मीडिया से बातचीत में उन्होंने दो टूक अंदाज में कहा कि पीएम मोदी की इजरायल यात्रा के समाप्त होने के बाद यानी 26 फरवरी के बाद हमारी ईरान पर हमले की वास्तविक योजना (रणनीतिक अवसर) ने मूर्तरूप लिया था। इससे भारत के प्रधानमंत्री की यात्रा का कोई लेना देना नहीं है। ये हमारे एक ऐसा सैन्य अवसर था। जो प्रधानमंत्री मोदी के इजरायल से जाने के बाद सामने आया। जबकि इससे पहले तक इजरायल ऐसे किसी हमले के लिए तैयार नहीं था। हमने हमले का फैसला भारतीय पीएम की यात्रा के 48 घंटे बाद की गई सुरक्षा संबंधी मामलों की कैबिनेट की बैठक में लिया था। जिससे साफ हो जाता है कि हमले की योजना पूर्व निर्धारित नहीं थी और ये समय के साथ विकसित हुई थी। उन्होंने ये

भी कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जीवित हैं। जब मैं इजरायल में था तो मैंने खुद उन्हें एक से अधिक बार प्रत्यक्ष रूप से देखा है। कॉफी वाला उनका जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वह पूरी तरह से गलत और झूठा है। जिसमें ईरान और उसके साथियों की भूमिका नजर आती है।

ईरान चाहेगा तो रुकेगी लड़ाई

अजार ने कहा कि हम युद्ध के बीच हर प्रकार की शत्रुता को समाप्त करने के पक्ष में हैं यानी लड़ाई को रोकना चाहते हैं। लेकिन इसके लिए ईरान को अपने रुख में तब्दीली करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि बीते कुछ दिनों से तेल अवीव क्षेत्र में और उसके बाहर अपने तमाम सहयोगियों (अमेरिका व अन्य देश) के साथ कूटनीतिक माध्यमों से संवाद कर रहा है। जिसमें तनाव को खत्म करने का मुद्दा शामिल है। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हमारे मत में कहीं पर भी ईरान पर जमीनी हमले की योजना शामिल है। मौजूदा सैन्य हमलों के जरिए भी हमने ईरान की क्षमता पर चोट की है।

प्रेमिका को रंग लगाने का विवाद: दोस्त को पटरी पर बांधकर रेल से कटवाया, 3 गिरफ्तार

पानीपत, एजेंसी। हरियाणा के पानीपत में रेलवे पटरियों पर मिले 23 वर्षीय युवक कालू की मौत की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। जिसे शुरुआत में एक रेल हादसा या आत्महत्या माना जा रहा था, वह दरअसल प्रतिशोध और नफरत से उपजी एक सुनियोजित हत्या निकली। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि कालू की हत्या उसके ही गांव के तीन युवकों ने महज इसलिए कर दी क्योंकि उसने होली पर आरोपी की प्रेमिका को गुलाल लगा दिया था। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी संजू समेत उसके दो साथियों, राहुल और विशाल को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार, हत्या की इस वारदात का मास्टरमाइंड संजू है, जो होली के दिन हुई एक मामूली घटना से बेहद गुस्से में था। जांच में सामने आया कि होली के दौरान कालू ने संजू की महिला मित्र को रंग लगा दिया था, जिसे संजू ने अपनी मान-मर्यादा पर चोट माना। इसके अलावा, दोनों के बीच पुरानी रंजिश भी चल रही थी। संजू ने पुलिस पूछताछ में बताया कि कुछ समय पहले कालू ने उसकी मोटरसाइकिल उधार ली थी, जिसका एक्सीडेंट हो गया था। कालू ने बाइक

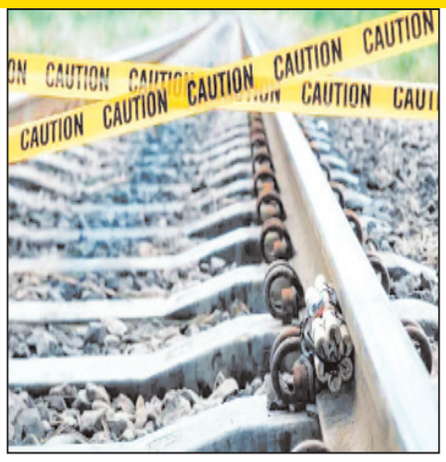

की मरम्मत के पैसे देने से इनकार कर दिया था, जिससे संजू पहले से ही खार खाए बैठा था। होली के विवाद ने इस आग में घी का काम किया और संजू ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर कालू को रास्ते से हटाने की साजिश रच डाली। वारदात के बाद आरोपियों ने इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की, लेकिन जीआरपी की सतर्कता और तकनीकी जांच ने सच सामने ला दिया। मोबाइल फोन की लोकेशन और संदिग्धों की गतिविधियों के आधार पर जब पुलिस ने संजू और उसके साथियों को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल सामान बरामद कर लिया है और अब उन्हें कड़ी सजा दिलाने के लिए कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

शराब पिलाकर दिया घटना को अंजाम

वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपियों ने बेहद शातिराना तरीका अपनाया। घटना की शाम संजू ने कालू को मेल-मिलाप के बहाने घर से बुलाया। इसके बाद तीनों आरोपी उसे लेकर शराब पीने चले गए। योजना के मुताबिक, आरोपियों ने खुद कम शराब पी और कालू को अत्यधिक नशे में धकेल दिया। जब कालू पूरी तरह सुध-बुध खो बैठा, तो आरोपी उसे रेलवे पटरियों के पास ले गए। वहां संजू ने पेचकस से कालू के गले पर हमला किया। हमले के बाद भी जब कालू की सांसें चलती रहीं, तो आरोपियों ने क्रूरता की हदें पार करते हुए उसे जीवित अवस्था में ही रेल की पटरी से बांध दिया। नशे और चोट के कारण कालू खुद को छुड़ाने में असमर्थ रहा और ट्रेन गुजरने से उसकी मौत हो गई।

मौसम का मिजाज: गर्मी के बीच बारिश की दस्तक, कई राज्यों के लिए अलर्ट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में जहां भीषण गर्मी ने अपनी उपस्थिति दर्ज करानी शुरू ही की थी, वहीं मौसम के बदलते मिजाज ने लोगों को फिलहाल राहत दी है। उत्तर भारत समेत देश के कई हिस्सों में अचानक हुई हल्की से मध्यम बारिश के कारण तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान विभाग के ताजा अनुमानों के मुताबिक, यह सिलसिला अभी थमने वाला नहीं है। आने वाले दिनों के लिए कई राज्यों में हल्की से लेकर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें गरज-चमक और तेज हवाओं की चेतावनी भी शामिल है। पूर्वोत्तर भारत में इस सप्ताह मानसून पूर्व की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। विभाग के अनुसार, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। वहीं उत्तर-पश्चिमी भारत के हिमालयी क्षेत्रों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ 17 मार्च की रात से सक्रिय होने वाला है। इस सिस्टम के प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश का दौर शुरू होगा। इसका असर मैदानी इलाकों पर भी दिखेगा, जहां 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के साथ छिटपुट बारिश होने की संभावना है। मध्य और पूर्वी भारत के राज्यों जैसे झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और बिहार में भी इस सप्ताह मौसम अस्थिर रहेगा। इन क्षेत्रों में बिजली कड़कने और तेज हवाओं के साथ गरज-चमक की स्थिति बनी रह सकती है। वहीं पश्चिमी भारत की बात करें तो 17 से 19 मार्च के दौरान महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में मध्यम वर्षा का अनुमान है। कोंकण और गोवा में भी 18-19 मार्च के आसपास बिजली गिरने और गरज के साथ बौछारें पड़ने की चेतावनी दी गई है। दक्षिण भारत के कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में भी छिटपुट बारिश की संभावना जताई गई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज बदला हुआ नजर आएगा। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली के आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शहर का अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। हालांकि, 18 मार्च की रात दिल्ली के कुछ हिस्सों में बहुत हल्की बूंदाबांदी या गरज-चमक के साथ 20-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

हाहाकार: पाकिस्तान में गहराया ऊर्जा संकट पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी उछाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। मध्य पूर्व में जारी युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में मची उथल-पुथल का सबसे बड़ा खामियाजा पाकिस्तान को भुगतना पड़ रहा है। कतर से होने वाली लिक्विफाइड नेचुरल गैस की आपूर्ति पूरी तरह ठप होने से पाकिस्तान में 14 अप्रैल के बाद गैस की उपलब्धता समाप्त होने का खतरा पैदा हो गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों ने सीनेट की पेट्रोलियम कमिटी को सूचित किया है कि कतर से होने वाला आयात 2 मार्च से निलंबित है। गौरतलब है कि अमेरिका के बाद कतर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी निर्यातक है। मार्च के लिए निर्धारित आठ कार्गो में से केवल दो ही पाकिस्तान पहुंच सके हैं, जबकि अप्रैल में आने वाले छह कार्गो के पहुंचने की भी कोई संभावना नहीं है। युद्ध की वजह से प्रमुख समुद्री जलमार्गों पर जहाजों की आवाजाही रुकने से दुनिया भर की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे तेल की कीमतें

2022 के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई हैं। गैस की इस भारी किल्लत को दूर करने के लिए पाकिस्तान अब अजरबैजान से स्पॉट मार्केट के जरिए गैस खरीदने पर विचार कर रहा है, लेकिन यह सौदा देश की अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डालेगा। कतर के साथ अनुबंध के तहत जो गैस 9 डॉलर प्रति यूनिट मिलती थी, वह अब खुले बाजार में 24 डॉलर प्रति यूनिट पड़ेगी। इस महंगी खरीद का सीधा असर बिजली उत्पादन पर पड़ेगा, जिससे जनता को मिलने वाली बिजली और भी महंगी हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों के अनियंत्रित होने का असर केवल गैस तक सीमित नहीं है। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोल और डीजल के दामों में 55 रुपये प्रति लीटर की ऐतिहासिक वृद्धि कर दी है। ऑयल एंड गैस रेगुलेटरी अथॉरिटी के आंकड़े बताते हैं कि 7 मार्च से अब तक डीजल की कीमतों में लगभग 100 प्रतिशत और पेट्रोल में 70 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। वैश्विक स्तर पर हाई-स्पीड डीजल 88 डॉलर से उछलकर 187 डॉलर प्रति बैरल और पेट्रोल 74 डॉलर से बढ़कर 130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। आपूर्ति बाधित होने और आसमान छूती कीमतों ने पाकिस्तान के सामने एक गंभीर आर्थिक और ऊर्जा संकट खड़ा कर दिया है, जिससे फिलहाल राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं।

ईरान से जंग में अमेरिका ने खर्च कर दिए 12 अरब अमरिकी डॉलर और सैनिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल की जंग के चलते ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मूज पर नाकेबंदी कर पूरी दुनिया में कोहराम मचा दिया था। यह अलग बात है कि उसने अमेरिका और इजराइल के साथ-साथ युद्ध में उसके सहयोगी देशों को छोड़कर बाकी देशों के लिए होर्मूज का रास्ता खोल दिया है। जाहिर है इससे दूसरे देशों को बहुत कम आर्थिक नुकसान होगा। वैसे यह बात बार-बार सामने आती रही है कि युद्ध सिर्फ विनाश और तबाही लाता है। इससे किसी का भला नहीं होता। ट्रंप की सनक के चलते ईरान पर हमला कर अमेरिका अब तक कितने रुपए गंवा चुका होगा? अमेरिका बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा है। उसने अब तक कम से कम अपने 11 सैनिक खो दिए। युद्ध के दौरान फ्यूल भरने वाले पांच विमान भी उसके क्रैश हो चुके हैं। इन सब के अलावा वह तेहरान से लेकर इसफानम तक भी बी52 बमबर से लगातार बम बरसा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैट ने बताया कि ईरान के साथ जारी युद्ध पर अमेरिका अब तक करीब 12 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च कर चुका है। यह पूछे जाने पर कि क्या अमेरिका को कांग्रेस से और अधिक धन का अनुरोध करने की जरुरत होगी, हैसेट ने जवाब दिया मुझे लगता है कि अभी हमारे पास वह सबकुछ है जिसकी हमें जरुरत है। बता दें ओएमबी अमेरिका का प्रबंधन और बजट ऑफिस है और रसेल वाट इसके डायरेक्टर हैं। लेकिन इस खर्च और तबाही के हिसाब के बाद भी यह सवाल बचा रह जाता है कि इन सबका हासिल क्या है? शांति दूत बनने की चाह में अमेरिकी प्रेसिडेंट ट्रंप कब अशांति के दूत बन गए? इसका एहसास उन्हें आखिर कब होगा? इंसानियत की हत्या करने वाली यह जंग आखिर कब तक चलेगी।

युद्ध की विभीषिका: दाने-दाने को मोहताज लोग, जीवन बचाने के लिए सीमा पार पलायन

तेहरान , एजेंसी। वर्तमान में ईरान भीषण युद्ध की आग में झुलस रहा है। अमेरिकी और इजरायली हमलों ने न केवल देश के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को भी नर्क बना दिया है। युद्ध के कारण पैदा हुई बदहाली और आसमान छूती महंगाई ने ईरानी लोगों को अपना घर छोड़कर पड़ोसी देश इराक की ओर भागने पर मजबूर कर दिया है। हाजी उमरान बॉर्डर क्रॉसिंग जैसे ही खुली, वहां इंसानियत की बेबसी की तस्वीरें साफ दिखाई देने लगीं। युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार जब सीमा खुली, तो दर्जनों ईरानी परिवार उत्तरी इराक के कुर्द क्षेत्र में दाखिल हुए। उनके झोलों में सामान कम और जिंदा रहने की उम्मीदें ज्यादा थीं। युद्ध ने ईरान की अर्थव्यवस्था को इस कदर चोट पहुंचाई है

कि लोग अब सिर्फ बुनियादी जरूरतों जैसे चावल, तेल और सिम कार्ड के लिए मीलों का सफर तय कर रहे हैं। इजरायली हवाई हमलों और अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण ईरान में महंगाई बेकाबू हो चुकी है, जिससे आम आदमी की पहुंच से राशन बाहर हो गया है। सीमा पार करने वाले लोगों ने बताया कि ईरान के भीतर हालात बेहद खौफनाक हैं। सुरक्षा बलों के ठिकाने और खुफिया दफ्तर तबाह हो चुके हैं, जिसके कारण अधिकारी अब स्कूलों और अस्पतालों में पनाह ले रहे हैं। इंटरनेट पूरी तरह ठप है, जिससे लोग अपने करीबियों से संपर्क तक नहीं कर पा रहे हैं। पीरानशहर की एक महिला ने बताया कि वह केवल एक फोन कॉल करने और सिम कार्ड खरीदने के लिए 15 किलोमीटर पैदल चलकर इराक आई, क्योंकि 16 दिनों से उसके परिवार को उसकी खैर-खबर नहीं मिली थी।इराक का कुर्द इलाका अब इन युद्धग्रस्त ईरानियों के लिए एक जीवन रेखा बन गया है। ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों के कारण यहां के लोग ईरानियों की मदद कर रहे हैं। सीमा पर ट्रकों की लंबी कतारें लगी हैं, जो इराक से सस्ता राशन लेकर ईरान जा रही हैं। स्थानीय ड्राइवरों का कहना है कि सीमा बंद होने से अमीर-गरीब सभी बुरी तरह प्रभावित हुए थे। युद्ध की सबसे दर्दनाक मार उन बेसहारा परिवारों पर पड़ी है जिन्होंने अपनों को खो दिया है। एक बुजुर्ग महिला, जिसके बेटे की पहले ही मौत हो चुकी थी, मूसलाधार बारिश में अपने तीन पोते-पोतियों का पेट भरने के लिए मदद मांगने इराक पहुंची। युद्ध और बढ़ती कीमतों ने ईरानी समाज को उस मुहाने पर खड़ा कर दिया है, जहां लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और अपने ही घरों में कैद होने को मजबूर हैं। यह संघर्ष केवल दो देशों की सेनाओं के बीच नहीं, बल्कि एक आम ईरानी नागरिक के अस्तित्व की लड़ाई बन गया है।

कांग्रेसियों ने दुकानदारों को फ्री बांटा कोयला

एलपीजी संकट के विरोध में किया भोपाल में किया अनूठा विरोध-प्रदर्शन

भोपाल। रसोई और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की कथित कमी को लेकर कांग्रेस ने अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव रविन्द्र साहू झूमरवाला ने बुधवार को बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में दुकानदारों और आम नागरिकों के बीच कोयले का वितरण किया।

कोयला बांटकर सरकार को बताई गैस की समस्या : रविन्द्र साहू ने कहा कि गैस सिलेंडरों की उपलब्धता नहीं होने से लोगों को रोजमर्रा के काम करने में परेशानी आ रही है। ऐसे में प्रतीकात्मक विरोध के तौर पर कोयला बांटकर सरकार का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित किया गया है।

सरकारी अव्यवस्था के कारण छोटे व्यापारी परेशान : साहू ने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार की अव्यवस्थित नीतियों के कारण आम जनता और छोटे व्यापारियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गैस सिलेंडरों की कमी से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के साथ-साथ छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल दावे और घोषणाएं कर रही है, जबकि जमीनी स्तर पर लोगों को गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं।

सिलेंडर की आपूर्ति ठीक करे सरकार : कांग्रेस नेता ने मांग की कि घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति तुरंत सुचारु की जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कांग्रेस पार्टी जनहित में बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस दौरान क्षेत्र के दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों ने भी गैस सिलेंडरों की कमी को लेकर अपनी समस्याएं साझा कीं और नाराजगी जताई।

विधानसभा अध्यक्ष बैतूल पहुंचे, सुरभि को दी श्रद्धांजलि

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के घर पहुंचे नरेंद्र सिंह तोमर; दिवंगत आत्मा की शांति के लिए की प्रार्थना

बैतूल। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर मंगलवार को बैतूल पहुंचे। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल की दिवंगत पुत्री सुरभि खंडेलवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने चंद्रमौली स्थित खंडेलवाल निवास पहुंचकर शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की। तोमर ने हेमंत खंडेलवाल से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने सुरभि खंडेलवाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

ईश्वर से परिवार को शक्ति देने की प्रार्थना : उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि बैतूल में लगातार वरिष्ठ जनप्रतिनिधि पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार को कैलाश विजयवर्गीय सहित अन्य नेताओं ने खंडेलवाल निवास पहुंचकर संवेदना व्यक्त की थी। रविवार को डॉ. मोहन यादव, शिवराज सिंह चौहान और जगदीश देवड़ा भी बैतूल पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त कर चुके हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सुश्री समीक्षा द्विवेदी को दी उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल से सुश्री समीक्षा द्विवेदी ने मंत्रालय में अपने माता-पिता के साथ सौजन्य भेंट की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा की बेटी सुश्री समीक्षा के यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 56वीं रैंक प्राप्त करने की उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सुश्री समीक्षा द्विवेदी ने इस उल्लेखनीय सफलता से रीवा, विंध्य क्षेत्र और पूरे मध्यप्रदेश का गौरव बढ़ाया है। सुश्री समीक्षा की यह सफलता प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। यह उपल?ब्धि दशार्ती है कि कठिन परिश्रम, समर्पण और लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प से किसी भी ऊंचाई को प्राप्त किया जा सकता है।

मोनालिसा की नॉर्मल शादी नहीं, प्रॉपर अप्रोप्रिएट लव जिहाद

सुप्रीम कोर्ट वकील नाजिया बोलीं- शरजील इमाम की पैरोल के बाद आतंकी संगठन एक्टिव हुए

भोपाल। कुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा की शादी को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट की वकील नाजिया इलाही खान ने इसे सामान्य शादी मानने से इनकार करते हुए इसे ह्लप्रॉपर अप्रोप्रिएट लव जिहादह्व बताया है। खरगोन में फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा के साथ मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि शरजील इमाम के अपने भाई की शादी के लिए पैरोल पर बाहर आने के बाद आतंकी संगठन फिर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने आशंका जताई कि इस पूरे मामले में कट्टरपंथी संगठनों की भूमिका हो सकती है और इसकी जांच सुरक्षा एजेंसियों से कराई जानी चाहिए।

हिन्दू मैरिज एक्ट का उल्लंघन हुआ : नाजिया खान ने कहा- ये सिर्फ नॉर्मल शादी नहीं हैं। ये प्रॉपर अप्रोप्रिएट लव जिहाद है। इस्लामिक जिहादी रेडिकल इस्लामिस्ट और पीएफआई की मिली जुली लव जिहाद की यह पूरी कार्रवाई की गई है। इसमें हिन्दू मैरिज एक्ट 1955 का उल्लंघन किया गया है। हिन्दू सनातन धर्म में विवाह की जो प्रथा होती हैं उनका भी मिसयूज किया गया है।

कहीं न कहीं उसका भी मजाक उड़ाने का प्रयास किया गया है। क्योंकि, फरमान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा है कि वो अभी भी मुसलमान है। तो एक मुसलमान हिन्दू प्रथा से कैसे शादी कर सकता है।अगर हिन्दू मैरिज एक्ट से वो शादी कर रहा है मंदिर में शादी कर रहा है तो उसके पास कौन सा प्रूफ है जो उसने अब तक नहीं दिखाया कि उसने पहले हिन्दुत्व कबूल किया है। उसे हिन्दुत्व कबूल करना है तब तो वो हिन्दू प्रथा से शादी कर सकता है। यहां पर हिन्दू मैरिज एक्ट का उल्लंघन हुआ है। हिन्दू रिलीजन को हर्ट करने का और मिसयूज करने का एक बड़ा क्राइम सामने आ रहा है। फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा के साथ मंगलवार को मोनालिसा के माता-पिता मंडलेश्वर पहुंचे और डीएसपी श्वेता शुक्ला की शिकायत सौंपी। फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा के साथ मंगलवार को मोनालिसा के माता-पिता मंडलेश्वर पहुंचे और डीएसपी श्वेता शुक्ला की शिकायत सौंपी।

शरजील इमाम की पैरोल के बाद एक्टिव हुए आतंकी संगठन

नाजिया ने कहा- शरजील इमाम जैसे ही अपने भाई की शादी की पैरोल पर बाहर आया है वैसे ही ये जितने भी टैरेरिज्म ऑगेर्नाइजेशन हैं वो एक्टिव हो चुके हैं। अभी हाल ही में हमने उत्तर प्रदेश में छांगुर पीर जलालुद्दीन को देखा कि वो कैसे लव जिहाद की स्ट्रैटजी चला रहा था।

नाजिया ने कहा- हमने केजीएन जिमखाने का मामला भी देखा। हमने बस्ती में देखा कि बस्ती में तीन मुसलमान लड़के तीन सौ से ज्यादा लड़कियों के न्यूड फोटो कराकर उनसे प्रॉस्टीट्यूशन कराने का काम भी कराने की कोशिश में लगे हुए थे। मुझे ऐसा लगता है कि केरल की सरकार ऐसे लव जिहाद और ऐसे रेडिकल इस्लामिस्ट को सहयोग कर रही है तो हमारे देश की सुरक्षा एजेंसियों को काम करना चाहिए। और अतिशीघ्र शरजील इमाम की पैरोल को कैंसिल करवाना चाहिए।

शरजील की सभाओं में फरमान की मौजूदगी की जांच हो : शरजील इमाम ने जहां बैठकर एनआरसी-सीएए के खिलाफ स्पीच दी है उस वीडियोज में फरमान की मौजूदगी को ढूंढ़ने की जरूरत है। क्योंकि मुझे और सनोज मिश्रा दोनों को यह संदेह है कि पीएफआई का इसमें बहुत बड़ा हाथ है और पीएफआई की फंडिंग है। जैसी छांगुर पीर के मामले में हमने मुस्लिम कंट्रीज की फंडिंग देखी थी।

मदरसे से कोई सभ्य इंसान नहीं निकल रहे : नाजिया ने कहा- ऐसा सूत्रों से पता चला है क्योंकि केरल में भी कुछ राष्ट्रभक्त लोग सनोज भैया के संपर्क में हैं, उन लोगों ने बताया है कि ऐसी कोई कार्रवाई चल रही है और चुटकियों में पासपोर्ट बनवा लेते हैं। लड़कियों तो पार्सल की ही जाती हैं। हम लोग जो इतनी किडनैपिंग के केस देखते हैं बच्चियां तो इधर से उधर कर ही रहे हैं ये लोग। मदरसे में कोई सभ्य इंसान बनकर तो निकल नहीं रहा है। मदरसे में यही लव जिहाद वाले कठमुल्ले निकल रहे हैं। हम अपने देश की राष्ट्रपति जो ट्राइबल महिला हैं उनका हस्तक्षेप इस मामले में बहुत जरूरी है क्योंकि हम मोनालिसा को 35 टुकड़ों में नहीं पाना चाहते। हम मोनालिसा को जिंदा पाना चाहते हैं।

मानालिसा के माता-पिता ने की शिकायत : फिल्म डायरेक्टर सनोज मिश्रा के साथ मंगलवार को मोनालिसा के माता-पिता मंडलेश्वर पहुंचे और डीएसपी श्वेता शुक्ला की शिकायत सौंपी। उन्होंने मोनालिसा की शादी को लव जिहाद बताते हुए शिकायत पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल तथा शेष संभागों में 7 अप्रैल से होगी गेहूँखरीदी : खाद्य मंत्री श्री राजपूत

गेहूँ उपार्जन के लिये 19 लाख से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में 1 अप्रैल से तथा शेष संभागों में 7 अप्रैल से की जाएगी। गेहूँ की खरीदी शासकीय कार्य दिवसों में सुबह 8 से रात 8 बजे तक की जाएगी। उन्होंने बताया है कि सरकार ने गेहूं खरीदी पर 40 रुपये अतिरिक्त बोनस देने का भी फैसला लिया है। अब प्रदेश में गेहूं की खरीदी 2625 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये कुल 19 लाख 4 हजार 651 किसानों ने पंजीयन कराया है। गत वर्ष 15 लाख 44 हजार किसानों ने पंजीयन कराया था। जिला इंदौर में 71713, झाबुआ में 7120, धार में 44466, अलीराजपुर में 476, खण्डवा में 35104, बुरहानपुर में 523, बड़वानी में 4724, खरगोन में 27557, शाजापुर में 73878, नीमच में 19445, उज्जैन में 123281, आगर-मालवा में 42446, मंदसौर में 65195, देवास में 76442, रतलाम, 45912, अशोक नगर में 16454, दतिया में 19118, शिवपुरी में 21312, ग्वालियर में 13763, गुना में 22914, भिण्ड में 12788, मुरैना में 10893, श्योपुर में 17617, डिण्डौरी में 4478, मण्डला में 19611, जबलपुर में 49642, कटनी में 52126, सिवनी में 53288, नरसिंहपुर में 38416, छिन्दवाड़ा में 29163, बालाघाट में 4383, पांढुर्णा में 863, नर्मदापुर में 71831, बैतूल में 18686, हरदा में 40273, भोपाल में 37129, रायसेन में 76264, विदिशा में 86479, सीहोर में 101793, राजगढ़ 98537, सीधी में 12813, सिंगरौली में 10970, महूगंज में 8018, सतना में 56376, मैहर में 19787, रीवा में 46923, अनुपपुर में 882, शहडोल में 9479, उमरिया में 13445, टीकमगढ़ में 15552, निवाड़ी में 4116, सागर में 75791, पन्ना में 30052, दमोह में 39938 और जिला छतपुर में 34378 किसानों ने पंजीयन कराया है।

बैतूल-अमरावती स्टेट हाईवे पर चक्काजाम

नीमढाना के ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन; पानी और सड़क की मांग पर अड़े

बैतूल। बैतूल-अमरावती स्टेट हाईवे पर मंगलवार को भैंसदेही विकासखंड की विजयग्राम पंचायत के नीमढाना गांव के ग्रामीणों ने पेयजल और सड़क निर्माण की मांग को लेकर चक्काजाम कर दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर समझाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि नीमढाना गांव में लंबे समय से पेयजल संकट बना हुआ है और दैनिक जरूरतों के लिए भी पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी के अलावा गांव की सड़कें भी बेहद खराब हालत में हैं, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने इन समस्याओं को लेकर कई बार पंचायत और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

सरपंच-सचिव पर लापरवाही का आरोप : ग्रामीणों ने सरपंच और सचिव पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा है कि पंचायत कार्यालय में अक्सर ताला लगा रहता है और शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जाता। इसी नाराजगी के चलते कुछ दिन पहले ग्रामीण ट्रैक्टरों में भरकर झल्लार थाने पहुंचे थे और थाना प्रभारी को आवेदन सौंपा था। थाने में दिए गए इसी आवेदन में ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को लेकर 17 मार्च को चक्काजाम करने की चेतावनी दी थी।

एक बोरवेल करवाया, लेकिन स्थायी समाधान की मांग : चेतावनी के बाद प्रशासन ने गांव में एक बोरवेल करवाया था, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि यह पर्याप्त नहीं है और पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। अब ग्रामीण सड़क निर्माण की मांग पर भी अड़े हुए हैं और मंगलवार को बड़ी संख्या में विजयग्राम बस स्टैंड पर इकट्ठा होकर हाईवे पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और स्पष्ट किया कि जब तक पानी और सड़क का स्थायी समाधान नहीं होता, उनका आंदोलन जारी रहेगा।

विधानसभावार कृषि सम्मेलन के लिए कृषि विभाग देगा 5 लाख रुपए

प्रत्येक विधानसभा में आयोजित होंगे कृषि सम्मेलन : लघु कृषकों को उन्नत खेती के लिए किराये पर उपलब्ध कराये जाएंगे कृषि यंत्र

डेढ़ साल में प्रदेश का दूध संकलन 25 प्रतिशत बढ़कर हुआ 12.50 लाख लीटर प्रतिदिन

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में हुआ कृषि अभिमुखीकरण कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषक कल्याण वर्ष 2026 में विभिन्न विभाग मिलकर कृषि विकास और कृषक कल्याण योजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य करेंगे। किसानों की आय बढ़ाने के लिए सभी उपायों पर क्रियान्वयन तेज किया जाएगा। कृषक कल्याण वर्ष का लाभ किसानों के परिवारों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मध्यप्रदेश, देश का इकलौता राज्य है, जो 5 रुपए में किसानों को बिजली का कनेक्शन उपलब्ध करवा रहा है। ये किसानों के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय सभागार में कृषक कल्याण वर्ष में सक्रिय सहभागिता जुटाने के उद्देश्य से आयोजित किए गए कृषि अभिमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला में उप मुख्यमंत्री द्वय श्री जगदीश देवड़ा और श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत, राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान, नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप, संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी, पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री नारायण सिंह पवार सहित मंत्रीगण, विधायक, जनप्रतिनिधि एवं किसान संगठनों के प्रतिनिधि, एफपीओ के पदाधिकारी एवं प्रबुद्धजन शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुशाभाऊ ठाकरे सभागार मध्यप्रदेश के पुराने विधानसभा भवन का पवित्र स्थान है। इस स्थान पर कृषक कल्याण योजनाओं पर केन्द्रित कार्यशाला राज्य सरकार के कृषि क्षेत्र को दी जा रही प्राथमिकता का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों को बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में दूध उत्पादन और पशुपालन की व्यापक संभावनाएं हैं।उन्हें साकार करने के प्रयास सफल हो रहे हैं। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले डेढ़ साल में प्रदेश का दूध कलेक्शन 25 प्रतिशत बढ़ा है। अब प्रदेश में प्रतिदिन 12.50 लाख लीटर दूध कलेक्शन किया जा रहा है। दूध का मूल्य भी 5 रुपए प्रति लीटर बढ़ा है। इससे दुग्ध उत्पादकों को सीधे तौर पर लाभ मिलेगा। गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने और क्षेत्र में नरवई प्रबंधन के लिए राज्य सरकार ट्रैक्टर-ट्रॉली और भूसे की मशीन उपलब्ध करवा रही है। राज्य सरकार ने स्कूली बच्चों के लिए निःशुल्क दूध वितरण के लिए माता यशोदा योजना शुरू करने की पहल की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं। टूरिज्म डिपार्टमेंट ने होम स्टे की योजना शुरू की है। होम स्टे संचालकों के लिए 20 लाख रुपये तक की आय जीएसटी से मुक्त रखी गई है। लघु-कुटीर उद्योग के क्षेत्र में शहद उत्पादन से किसान लाभ कमा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कार्यशाला में लगभग सभी प्रमुख विभाग शामिल हुए हैं। राज्य की आबादी का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा इन 16 विभागों के अंतर्गत आ जाता है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 100 लाख हैक्टेयर करने के लिए निरंतर कार्य हो रहा है। प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में कृषि यंत्रों की दुकानें खुलेंगी, जिनसे लघु कृषकों को खेती के लिए किराये पर यंत्र उपलब्ध करवाए जाएंगे। विधायक अपने क्षेत्र में 4 से 5 कृषि सम्मेलन करें, इसके लिए कृषि विभाग ने प्रति विधानसभा क्षेत्र 5 लाख रुपए आवंटित करने का निर्णय किया है। इन प्रयासों से कृषि कल्याण के लिए सकारात्मक वातावरण बनेगा। किसान सौर बिजली उत्पादन की सभी योजनाओं का लाभ उठाएं। लघु-कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए भी कार्य करें।प्रदेश प्रभारी श्री महेंद्र सिंह ने कहा कि हमारा मध्यप्रदेश अब हजार और लाख में नहीं, मिलियन, बिलियन और ट्रिलियन में बात करने के लिए तैयार है। मध्यप्रदेश क्षेत्रफल के हिसाब से कृषि में चौथे स्थान पर है। इसके बावजूद मध्यप्रदेश कई खाद्यान्नों के उत्पादन में देश में, पहले और दूसरे स्थान पर हैं। मध्यप्रदेश चौथे स्थान पर भी रहते हुए देश के खाद्यान्न उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। प्रदेश के किसानों को सस्ती दरों पर बिजली और सिंचाई के लिए पम्प उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 54 लाख हैक्टेयर है। राज्य सरकार ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपने को साकार करते हुए सिंचाई का रकबा आगामी वर्षों में 100 लाख हैक्टेयर करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में दूध एवं डेयरी क्षेत्र में आगे बढ़ने की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रदेश की कृषि विकास दर तेजी के साथ बढ़ी है। इसी प्रकार प्रदेश का बजट वर्ष 2003-24 में 23 हजार था, जो अब 4 लाख 38 हजार करोड़ से अधिक हो गया है। प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय और जीडीपी में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश को 2 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा है। इसमें कृषि कल्याण वर्ष महत्वपूर्ण योगदान देगा। विकसित भारत के निर्माण में मध्यप्रदेश की बड़ी भूमिका होगी।

अपर मुख्य सचिव जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास डॉ. राजेश राजौरा ने प्रदेश में विभिन्न परियोजनाओं से निरंतर बढ़ रहे सिंचाई प्रतिशत की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश आने वाले कुछ समय में एक लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई के लक्ष्य को प्राप्त कर लेगा। डॉ. राजौरा ने अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजनाओं के बारे में भी विस्तार पूर्वक जानकारी दी और बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से इन परियोजनाओं की स्वीकृति का मार्ग प्रशस्त हुआ। मध्यप्रदेश का बड़ा क्षेत्र इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से लाभान्वित होगा।कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक वर्णवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश पिछले 10 साल से कृषि क्षेत्र में 2 अंकों में वृद्धि कर रहा है। इस गति को बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निदेर्शानुसार कई विभागों को जोड़कर कृषक कल्याण वर्ष मना रहे हैं। कार्यशाला में जैविक खेती, उद्यानिकी में नर्सरी, कोदो-रागी जैसे मोटे अनाजों से आइसक्रीम निर्माण, केज कल्चर सहित अनेक महत्वपूर्ण तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। मत्स्य पालन, संस्कृति, पर्यटन, खाद्य एवं नवकरणीय ऊर्जा सहित कई विभागों ने अपनी योजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की है।अपर मुख्य सचिव कुटीर और ग्रामोद्योग विभाग श्री के.सी. गुप्ता ने मध्यप्रदेश में छोटे और कुटीर उद्योगों के प्रोत्साहन के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विभिन्न शिल्पों के विशेषज्ञ कलाकारों और अन्य शिल्पियों की सहायता के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। शिल्पियों को उत्पादों की बिक्री के लिए भी आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जा रही है।

अवैध भंडारण एवं व्यावसायिक इस्तेमाल करते पाये जाने पर 22 रसोई गैस सिलेंडर जब्त

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रसोई गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण एवं दुरूपयोग को रोकने के कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निदेर्शानुसार राजस्व, पुलिस एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आज मंगलवार को होटल एवं रेस्टोरेंट का आकर्समिक निरीक्षण कर 22 गैस सिलेंडर जब्त किये हैं। कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व, पुलिस एवं खाद्य विभाग की टीमों ने मंगलवार को पाटन में जैन होटल से तीन घरेलू रसोई सिलेंडरों को व्यावसायिक इस्तेमाल पाये जाने पर जब्त किया है। इसी प्रकार रांझी तहसील के अंतर्गत कार्यपालिक दंडाधिकारी मौसमी केवट के नेतृत्व में की गई कार्यवाही में लकी किचिन फ्लेवर से अवैध रूप से भंडारित आठ घरेलू एवं पांच कमर्शियल गैस सिलेंडर तथा इंदिरा मार्केट स्थित श्री कृष्ण वेज थाली रेस्टोरेंट से छह घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों को व्यावसायिक इस्तेमाल करते पाये जाने पर जब्त किया गया हैं।

ईद-उल-फितर पर कानून व्यवस्था बनाये रखने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को दी जिम्मेदारी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

ईद-उल-फितर का त्यौहार के दौरान जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने अनुविभागीय दंडाधिकारियों एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों को जिम्मेदार बनाया गया है। अपर जिला दंडाधिकारी अभिषेक गहलोत द्वारा इस संबंध में जारी आदेश में सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को अपने क्षेत्र का लगातार भ्रमण करने तथा पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कानून व्यवस्थ बनाये रखने के निर्देश दिये गये हैं। आदेश में अनुविभागीय दंडाधिकारियों एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों को संबंधित स्थानीय निकाय एवं विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर ईद-उल-फितर पर्व के दौरान सफाई, बिजली, पानी इत्यादि की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करनें के निर्देश भी दिये गये हैं।

भगवान चैतन्य महाप्रभु का जीवन परिचय पाठ्यक्रम में जोड़ा जाए

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर के चैतन्य महाप्रभु की अलख जगाने वाले संकीर्तन मंडलों के द्वारा मंगलवार को मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक समिति भोपाल के अध्यक्ष डॉ अल्केश चतुवेर्दी को महाकौशल कॉलेज में जाकर ज्ञापन सोपा। संकीर्तन मंडलों के प्रमुखों ने बताया चैतन्य महाप्रभु ने 500 साल पहले विषम परिस्थितियों में पूरे समाज को एक किया था। इस अवसर पर विधायक अशोक रोहणी भी उपस्थित थे उन्होंने भी आश्वासन दिया। ज्ञापन सोपने में नर्मदा महा आरती के संस्थापक डॉ सुधीर अग्रवाल संतोष अग्रहरि श्याम मनोहर पटेल देवेंद्र नेमा विनोद दीवान देवव्रत सोनी नरेश कहार आदि उपस्थित थे।

नालियों में डाली गई पेयजल पाइप लाइन पर आयोग ने लिया संज्ञान

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर के दमोह नाका स्थित शांति नगर में पेयजल की पाइप लाइन नाले-नालियों के भीतर से गुजर रही है, जिससे पानी के दूषित होने का गंभीर खतरा बना हुआ है। पाइप लाइन में मामूली लीकेज भी होने पर नाली 5 पानी सीधे सप्लाई लाइन में मिल सकता है। लोगों का कहना है कि कई बार नलों से काला व बदबूदार पानी आ चुका है। जिससे पेट संबंधी बीमारियों की शिकायत बढ़ रही है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि मामले में संज्ञान लेकर मध?यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्यपीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुए, अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह की एकलपीठ ने जनहित मे मानवाधिकारो के उल्लंघन का मामला मानकर, नगर निगम के आयुक्त से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन दो सप्ताह में मांगा है।

ईद की रौनक चरम पर, दस्तारबंदी में हाफिजों का सम्मान

महंगाई के बावजूद उत्साह बरकरार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

ईद के नजदीक आते ही मुस्लिम क्षेत्रों में खुशियों की रौनक बढ़ गई है। हर गली-मोहल्ले में तैयारियों की हलचल है। अब इबादत के साथ-साथ महिलाएं, नौजवान और मासूम बच्चे खरीदारी में व्यस्त नजर आ रहे हैं, इसके साथ ही महिलाएं घरों को सजाने और संवारने में भी जुटी हुई हैं। बाजारों में भीड़ बढ़ती जा रही है। सेवइयों, कपड़ों और अन्य जरूरत की चीजों की खरीदारी जोरों पर है। हालांकि इस बार बढ़ती महंगाई का असर भी साफ तौर पर नजर आ रहा है। कपड़ों, खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने से लोगों का बजट प्रभावित हुआ है, फिर भी त्योहार की खुशी में कोई कमी नहीं आने दी जा रही है। रात्रिकालीन मीना बाजारों में तरावीह की नमाज के बाद से ही खरीदारी के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है। खासकर बच्चों में ईद को लेकर अलग ही उत्साह देखा जा रहा है, वे नए कुर्ता-पायजामा, जूते और अन्य सामान खरीदने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में गतरात्री शबे कद्र के मौके पर मदनी मिल्लत सेवा समिति के तत्वावधान में मुस्लिम बहुल क्षेत्र चार खंबा में विगत 33 वर्षों से आयोजित जश्ने दस्तारबंदी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत डॉ. मौलाना मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी की सरपरस्ती में शहर की विभिन्न मस्जिदों में तरावीह की नमाज अदा कराने वाले हाफिज साहिबानों की दस्तारबंदी कर उनका सम्मान किया गया। समिति के सरपरस्त मतीन अंसारी द्वारा हाफिज साहिबानों को तोहफे भेंट किए गए। इस मौके पर सूफी मेराज बाबा जमाली, मौलाना ईनामुल हक कादरी, मुफ्ती नईम अख्तर मिश्वाही और मुफ्ती अब्दुर्रशिद मिस्बाही विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की निजामत मौलाना चांद कादरी ने की, जबकि अंत में समिति के संरक्षक मतीन अंसारी, अध्यक्ष मोहम्मद आसिफ, कुतुबुद्दीन अंसारी, शोएब, गुड्डू बाबा, अफरोज अंसारी, आबिद परवेश आलम, कयामुद्दीन, अनीश, शहजादा, सादिक, कलीम अब्बासी, शादाब सहित अन्य सदस्यों द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

माहे रमजान कुरान पाक हुआ मुकम्मल

रमजान शरीफ के महीने में 26 ब रोज सबे कदर की रात को मस्जिद एवं नवाज गा में कुराने पाक मुकम्मल किया गया। इसी इसी क्रम में मस्जिद रशीद गंज नया मोहल्ला में हाफिज व कारी मोहम्मद तारीख कुरान पाक मुकम्मल किया, व नायाब हाफिज मोहम्मद आकिब रजा मस्जिद कमेटी एवं नवाजियों द्वारा हाफिज साहब का स्वागत इस्तकबाल किया गया इस दौरान प्रमुख रूप से हाशिम खान राजा अल्ताफ खान हाजी नियाज पेंटर शाहिद राइन हाजी वकील खान जीशान खान यत्ता आदि लोग उपस्थित थे।

रमजान मुबारक- अठाईसवां रोजा 18 मार्च बुधवार- रोजा अफ़्तार, 6:26 बजे- सहरी कल सुबह, 4:46 बजे

युवाओं ने सांस्कृतिक युवा महोत्सव में दिखाया अपने हुनर का रंग

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 24वें युवा महोत्सव के दूसरे दिन समूह लोकनृत्य एवं विभिन्न रंगारंग प्रतियोगिताओं- एकांकी, लघु नाटक, प्रहसन, मूक अभिनय आदि में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा और हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। दो दिवसीय अंतर-महाविद्यालयीन सांस्कृतिक प्रतियोगिता युवा महोत्सव 2026 का आयोजन कृषि महाविद्यालय, जबलपुर के अधिष्ठाता डॉ. जयंत भट्ट एवं छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. अमित कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। दूसरे दिन समूह लोकनृत्य की प्रस्तुतियों में सभी 11 महाविद्यालयों ने मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों की लोकशैली को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। साथ ही एकांकी प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने कृषि, ग्रामीण और सामाजिक मुद्दों से जुड़े विषयों पर प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुतियां दीं, जिसकी सभी ने सराहना की। प्रहसन प्रतियोगिता में वर्तमान सामाजिक और पारिवारिक परिस्थितियों पर व्यंग्य प्रस्तुत किया गया, वहीं मूक अभिनय के माध्यम से युवाओं और समाज से जुड़े महत्वपूर्ण संदेश दिए गए।

लोकसभा में उठाई जबलपुर- दमोह नई रेल्वे लाईन की मांग

सांसद आशीष दुबे ने कहा- पमरे का कार्यक्षेत्र बढ़ाया जाये

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने मंगलवार को लोकसभा में जबलपुर संसदीय क्षेत्र से जुड़ी रेल सेवाओं के उन्नयन की मांग जोरदार तरीके से उठाई। बजट सत्र 2026-27 के दौरान अनुदान की मांग पर चर्चा के दौरान सांसद श्री दुबे ने लोकसभा में केंद्र की मोदी सरकार के अंतर्गत रेल वभिाग में रिकॉर्ड पूंजीगत निवेश, तेज गति से बढ़ते अवसंरचना विकास, ग्रीन रेल्वे लक्ष्य की ओर बढ़ते कदम, यात्री अनुभव के नये स्वरूप, स्वदेशी कवच ट्रेन सुरक्षा प्रणाली, समर्पित सुरक्षा कोच, ट्रेनों और स्टेशनों का समावेशी आधुनिकिरण, इंजीनियरिंग चुनौतियों में नये आयाम, लॉजिसटिक पावर हाउस आदि की चर्चा करते हुये कहा कि मोदी सरकार के पिछले 12 वर्षों में भारतीय रेल ने विकास, यात्री सुविधाओं और माल वाहन क्षमता के नये आयाम स्थापित किये हैं। अपने उद्बोधन में सांसद श्री दुबे ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मार्गदर्शन में रेल्वे की विकास यात्रा को अभूतपूर्व बताते हुये कहा कि भारतीय रेल जहां यात्रियों को तेज सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान कर रही है वहीं मालवाहक ट्रेनें अधिकतम लदान क्षमता के साथ देश के विकास को भी गति प्रदान कर रही हैं। सांसद श्री दुबे ने रेल्वे के आधुनिकिरण और सुधारों की चर्चा करते हुये वंदे भारत ट्रेन का उदाहरण भी दिया। जबलपुर संसदीय क्षेत्र से संबंधित मांगों को उठाते हुये सांसद श्री दुबे ने लोकसभा में कहा कि पश्चिम मध्य रेल का मुख्यालय जबलपुर में स्थित है और क्षेत्रीय विकास के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये जबलपुर अंचल को केंद्र सरकार की ओर से और रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव के माध्यम से कई सौगातें मिली हैं परंतु अभी भी कुछ बिंदु ऐसे हैं जिन पर रेल मंत्री दृष्टि डालेंगे तो क्षेत्र के विकास की गति और बढ़ जायेगी। सांसद श्री दुबे ने कहा कि जबलपुर से दमोह के बीच नई रेल्वे लाईन, पश्चिम मध्य रेल जोन के कार्यक्षेत्र में नये स्टेशनों को शामिल करना, जबलपुर से पुणे और अमृतसर सहित अन्य स्थानों के लिये प्रतिदिन ट्रेनों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जबलपुर से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की कनेक्टिविटी को वृहद आकार देते हुए रायपुर और नागपुर के लिये नई ट्रेनों का चलाया जाना जरूरी है और जबलपुर-नैनपुर-बालाघाट-गोंदिया ब्रॉडगेज लाईन का काम पूरा होने के बाद अब इस मार्ग पर नई ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। सांसद श्री दुबे ने कहा कि जबलपुर से बेंगलुरू, अहमदाबाद, हैदराबाद, चेन्नई और तिरूअनंतपुरम के लिये भी सीधी ट्रेन चलाने की जरूरत है। सांसद श्री दुबे ने जबलपुर-गोंदिया रेल लाईन दोहरीकरण परियोजना को स्वीकृति देने के लिये रेल मंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे उत्तर-दक्षिण भारत के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होने के साथ-सथ पर्यटन और व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा। गौरतलब है कि जबलपुर-गोंदिया रेल लाईन दोहरीकरण के लिये 5236 करोड़ रुपए की परियोजान को स्वीकृति प्रदान की गई है। सांसद श्री दुबे ने लोकसभा में उद्बोधन में जबलपुर संसदीय क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न रेल सुविधाओं की मांग की। उद्बोधन में सांसद श्री दुबे ने कहा कि पश्चिम मध्य रेल क्षेत्र जोन में ग्वारीघाट से लेकर गढ़ा रेल्वे स्टेशन और आगे तक के कुछ अन्य स्टेशनों को शामिल किये जाने की आवश्यकता है। वर्तमान में ये सभी स्टेशन जबलपुर या जबलपुर के अत्यंत निकट स्थित हैं परंतु इनका कार्य संचालन एस.ई.सी.आर. यानी दक्षिण पूर्व मध्य रेल जोन के अंतर्गत किया जा रहा है। अगर इन स्टेशनों को डब्ल्यू.सी.आर यानी पश्चिम मध्य रेल जोन में शामिल कर लिया जाये तो यात्री सुविधाएं भी बढ़ जायेंगी और रेल विभाग के लिये कार्य संचालन भी अत्यंत आसान हो जायेगा। सांसद श्री दुबे ने जबलपुर से दमोह व्हाया कुण्डलपुर नई रेल्वे लाईन का विस्तृत विवरण दिया। जहां उन्होंने अपने उद्बोधन में इस रेल लाईन की मांग की वहीं विस्तृत जानकारी में कहा कि नई जबलपर-दमोह रेल लाईन दोनों शहरों के बीच की दूरी लगभग 100 किमी. कम कर देगी और यात्रा का समय भी वर्तमान 4 घंटा से घटकर लगभग आधा हो जायेगा। जबलपुर-बिलासपुर के मध्य नई रेल लाईन, मानिकपुर-इटारसी के बीच तीसरी रेल लाईन, जबलपुर से अमृतसर के लिये सीधी ट्रेन सहित पश्चिम उत्तरी भारत के लिये जबलपुर से बेहतर कनेक्टिविटी की आवश्यकता बताते हुए सांसद श्री दुबे ने कहा कि यह सभी रेल सुविधाएं प्राप्त होने से जबलपुर के विकास की गति तो बढ़ ही जायेगी वहीं क्षेत्र का औद्योगिकीकरण भी बढ़ेगा और छात्रों सहित पर्यटकों को भी इसका लाभ मिलेगा।

भक्त शिरोमणि माँ कर्मा देवी की 1010 वी जयंती मनाई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

साहू समाज के आराध्य देवी भक्त शिरोमणि माँ कर्मा देवी की 1010 वीं जन्मोत्सव सोमवार को मानस भवन, राईट टाउन में मनाई गई। इस उपलक्ष्य में संस्था के अध्यक्ष दीपक साहू एवं समस्त पदाधिकारी एवं समस्त सदस्यगणों के बीच माँ कर्मा जयंती धूमधाम से मनाई गई। सर्वप्रथम माँ कर्मा देवी के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर पूजन अर्चन कर पुष्पमाला, नारियल व माँ की खिचड़ी का भोग लगाकर माँ कर्मा की आरती कर सभी अतिथि एवं समाज के समस्त लोगों ने पूजन का लाभउठाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रविकरण साहू पूर्व अध्यक्ष, (तेलघानी बोर्ड, म.प्र. शासन) एवं कार्यक्रम की अध्यक्ष श्रीमति आभा साहू (राष्ट्रीय एवं प्रदेश अध्यक्ष, अ.भा. तैलिक साहू, महासभा एवं विशिष्ठ अतिथि अपना पूर्व महापौर अन्य विशिष्ठ अतिथि श्री राधेश्याम साहू डॉ. दीपक साहू, श्रीमति रजनी कैलाश साहू पार्षद एम.आई.सी. सदस्य, न.नि.. श्रीमति अरूणा संजय साहू पार्षद, श्री अनुराग साहू (राहूल) पार्षद, श्रीमति श्रद्धा साहू, श्रीमति नीतू आशीष साहू, श्री सुधीर साहू, डॉ. पुरुषोत्तम साहू, श्री राजकुमार साहू, श्री राम कुमार साहू (रामू), श्री अशोक साहू, श्री मनोज साहू श्री संदीप साहू, श्री स्वप्निल साहू (सोनू) श्री नीलेश साहू, श्री विजय साहू, श्रीमति एकता साहू, श्रीमति ममता साहू, श्रीमति सीमा साहू सभी को मंचासीन कर पुष्प मालाओं से स्वागत किया एवं मेधावी छात्र छात्राओं को प्रशस्ति-पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया एवं छोटे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई एवं समस्त अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं मॉ कमार्देवी का तैलचित्र प्रदान कर पुष्पमाला से सम्मानित किया गया इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष दीपक साहू ने अपने उद्बोधन में माँ कर्मा देवी की विशाल शोभायात्रा में साहू समाज के सभी गणमान्य महिला पुरूष एवं बच्चों ने सम्मिलित होकर सामाजिक एकता का परिचय दिया जिसके लिये बधाई दी एवं समस्त संस्कारधानी वासियों को माँ कर्मा जयंती की हार्दिक शुभकामनायें दीं।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को हस्तक्षेप करने प्रेषित किया अनुरोध पत्र

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मीडिया प्रमुख उत्तम विश्वास (जीसीएफ)से प्राप्त जानकारी के अनुसार ए आई ए एन जी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के आह्वान पर देशभर की 41 आयुध निर्माणियों में लंबित पड़ी विभिन्न मांगों को लेकर सभी आयुध निर्माणियों ने मंगलवार को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को मामले पर हस्तक्षेप करने के लिए अनुरोध पत्र प्रेषित किया ' लंबित पड़ी विभिन्न मांगों में डीपीसी के माध्यम से होने वाले चार्जमेन से जेडब्ल्यूएम प्रमोशन और एलडीसी की परीक्षा के माध्यम से चार्जमेन से जेडब्ल्यूएम और जेडब्ल्यूएम एसजी , एमसीएम से चार्ज मेन प्रमोशन के खाली पड़े पदों, ए डब्ल्यू म प्रमोशन, खाली पड़े डी आर पद को डी पी सी में बदलने और अनुकंपा नियुक्ति, एस आर ओ अमेंडमेंट आदि अनेकों मांगों को लेकर अनुरोध पत्र प्रेषित गया' इसी कड़ी में तोप गाड़ी निमार्णी जबलपुर में भी अनुरोध पत्र प्रेषित किया गया ' ए आई ए एन जी ओ के संगठन सचिव और जेसीएम 4 श्री अजय रजक जी ने बताया कि राष्ट्रीय महासचिव श्री अजय और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जय वर्धन जी के नेतृत्व में पिछले कई महीने से ए आई ए एन जी औ ने लगातार विभिन्न लंबित मांगों को लेकर डी ओ ओ कोलकाता एवं संबंधित अथॉरिटी को कई बार पत्र लिख चुका है लेकिन कोई सार्थक करवाई नहीं हुई ' इसलिए आज माननीय प्रधानमंत्री और माननीय राष्ट्रपति से अनुरोध किया गया है कि वह मामले में हस्तक्षेप करें , इस हेतु अनुरोध पत्र प्रेषित किया गया' जबलपुर जोन से ओ एफ के के डीसी पांडे ,अजय यादव, सत्येंद्र सिंह, अजय चौहान, अजय पाल सिंह व्हीएफजे से रॉबिंसन मसीह नटराज अय्यर, जीआईएफ से मधुसूदन दहिया, सचिन सिंह ऑर्डिनेंस फैक्ट्री कटनी से उमाशंकर सिंह, प्रकाश सिंह गौतम और ऑर्डनेंस फैक्ट्री इटारसी से योगेंद्र रघुवंशी आदि ने मांगे जल्द पूर्ण होने की आशा की है' जी सी एफ के राजेंद्र कुमार असाटी, मनीष चौरसिया, राहुल कुमार ,कुमार विभु, लालाराम मीणा, संतोष कुमार, जगदीश गुप्ता, शरद बोरकर ,संजय शॉ, कुमार संजय पंकज रंजन, राजेंद्र रावत, हीरालाल मीणा, संदीप बाथो, मुकेश बट्टी अंजनी कुमार, धीरज सिन्हा, बिजेंद्र मिश्रा, शरद यादव, संजय शर्मा, दिनेश पाली, अजय साहू नरेश बाजपेई सदस्यों ने कार्रवाई की मांग की है'

पूर्व मंत्री बब्बू ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पूर्व मंत्री हरेंद्र जीत सिंह बब्बू ने मंगलवार को अपने सहयोगियों के साथ कार्यालय पहुंचकर एसपी को ज्ञापन सौंप कर दोषी पर कार्रवाई करने की मांग की । प्रत्युत्तर में अपराधी पर शीघ्र ही कार्यवाई करने का आश्वासन दिया गया । ज्ञात हो कि विगत एक सप्ताह पूर्व किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर श्री बब्बू को जान से मारने की धमकी दी । जिस पर श्री बब्बू ने गोरखपुर थाने में एफ. आई.आर. दर्ज कराकर अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा की माँग की । श्री बब्बू ने मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव को भी पत्र लिखकर घटना से अवगत करवाया और सुरक्षा और अपराधी की शीघ्र गिरफ्तारी की अपील की । पुलिस विभाग द्वारा अभी तक कोई ठोस कार्रवाई न करने से नाराज श्री बब्बू ने एस पी कार्यालय में ज्ञापन सौंप कर सुरक्षा और कठोर कार्रवाई की मांग की है। इस मौके पर सदर गुरुद्वारे के प्रधान प्रभजोत सिंह ने कहा कि उचित कार्रवाई न होने पर जन आंदोलन किया जाएगा ।

संपादकीय

कैंसर बेल्ट की ओर बढ़ता उत्तर भारत?

हाल के वर्षों में भारत में कैंसर का रोग जिस पैमाने पर बढ़ता देखा जा रहा है, उसने समूचे चिकित्सा जगत में चिंता पैदा कर दी है। विडंबना यह है कि चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में तमाम प्रगति के बावजूद देश में कैंसर के मामलों में खासी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। आमतौर पर इसके उपचार पर तो ध्यान केंद्रित किया जाता है, लेकिन बचाव की दिशा में नहीं सोचा जा रहा है। नतीजतन, कैंसर के मामलों में वृद्धि देखी जा रही है।पिछले दिनों राज्यसभा में केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तुत भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के आंकड़ों ने एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। इसके मुताबिक, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान कैंसर के मामलों और इससे होने वाली मौतों में निरंतर वृद्धि हुई है। इस अवधि में इन चारों क्षेत्रों में कुल चार लाख सत्रह हजार से अधिक मरीजों के आने का अनुमान है।आंकड़ों के हिसाब से चंडीगढ़ में ही प्रतिदिन दो लोगों की मौत हो रही है। बीते पांच वर्षों में करीब दो लाख पैंतीस हजार से अधिक लोगों की मौत से स्थिति की गंभीरता का पता चलता है। गौरतलब है कि हर साल कैंसर के करीब पंद्रह लाख नए मरीज सामने आते हैं। अगले बीस वर्षों में यह संख्या पच्चीस लाख पहुंचने का अंदेशा है। महज दवाओं को सस्ता करने और कैंसर अस्पताल खोल देने भर से यह समस्या दूर नहीं होगी। सच यह है कि मरीजों को इस समय सस्ता और सुलभ उपचार की जरूरत है।मगर समस्या को जड़ से मिटाने के लिए कैंसर की रोकथाम पर काम करने के साथ नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना होगा। फिलहाल लक्ष्य यह होना चाहिए कि पहले चरण में ही मर्ज की पहचान कर ली जाए और जिन कारणों से मामले बढ़ रहे हैं, उनको जड़ से खत्म किया जाए।पंजाब और हरियाणा सहित सभी राज्यों में कीटनाशकों के बेलगाम इस्तेमाल पर रोक लगाना होगा, क्योंकि कैंसर के बढ़ते मामलों के पीछे इसे भी एक बड़ी वजह माना गया है। औद्योगिक कचरों के सख्ती से निपटान के साथ वायु और भू-जल प्रदूषण पर भी अंकुश लगाने की तत्काल जरूरत है।दुनिया भर में युद्ध सैन्य मोर्चों पर लड़े जाते रहे हैं, लेकिन उसकी आंच में आम लोग झुलसते हैं। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद इस युद्ध का दायरा जिस स्वरूप में फैला है, उसका असर अब आशंका के अनुरूप सामने आना शुरू हो चुका है।

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की सबसे भीषण बमबारी की है। यह द्वीप न केवल एक प्रतिबंधित सैन्य क्षेत्र है, बल्कि इसे ईरान की आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने क्षेत्रफल से भी छोटा यह द्वीप ईरान के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। ईरान के कुल तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा यहीं से संसाधित होता है। 2024 में ईरान ने तेल बिक्री से लगभग 78 बिलियन कमाए, जिसका मुख्य केंद्र खर्ग ही था।

दुनिया देखेगी तीसरा विश्वयुद्ध?

अमेरिका काटने जा रहा ईरान की जीवनरेखा ?

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की 'सबसे भीषण बमबारी' की है।

ईरान युद्ध के दो हफ्तों बाद भी मध्य-पूर्व में तनाव का स्तर अपने चरम पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की कि अमेरिकी सेना ने ईरान के खर्ग द्वीप पर इस क्षेत्र के इतिहास की सबसे भीषण बमबारी की है। यह द्वीप न केवल एक प्रतिबंधित सैन्य क्षेत्र है, बल्कि इसे ईरान की आर्थिक जीवनरेखा माना जाता है। लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने क्षेत्रफल से भी छोटा यह द्वीप ईरान के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। ईरान के कुल तेल निर्यात का 90 प्रतिशत हिस्सा यहीं से संसाधित होता है। 2024 में ईरान ने तेल बिक्री से लगभग 78 बिलियन कमाए, जिसका मुख्य केंद्र खर्ग ही था। यहाँ का समुद्र इतना गहरा है कि दुनिया के सबसे बड़े तेल टैंकर यहाँ आसानी से डॉक कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप मुख्य भूमि ईरान (जो इराक से 4 गुना बड़ा है) पर हमला करने के बजाय खर्ग द्वीप पर (जमीनी सेना) उतारने का प्रलोभन महसूस कर सकते हैं। यह द्वीप मुख्य भूमि से 25-28 किमी दूर है। यदि अमेरिका इस पर अचानक कब्जा कर लेता है, तो ईरान के लिए कम समय में वहां सेना भेजना नामुमकिन होगा। खर्ग पर कब्जा करने का मतलब है ईरान की 90त्न कमाई पर ताला लगा देना। इससे ट्रंप को ईरान को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर करने की अपार शक्ति मिलेगी।

ईरान युद्ध के दो हफ़्ते बीत जाने के बाद भी, अमेरिका और इज़राइल का एक मुख्य लक्ष्य -- देश में सत्ता परिवर्तन -- अभी भी पूरा नहीं हो पाया है, जबकि युद्ध के पहले ही दिन सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे जा चुके थे। इसके बजाय, ईरान ने इस संघर्ष को पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैला दिया है और उसने होर्मुज़ जलडमरूमध्य और वहाँ से गुज़रने वाले तेल को प्रभावी ढंग से बंधक बना लिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति अच्छी तरह जानते हैं कि मुख्य ईरान, इराक या वेनेज़ुएला जैसा नहीं है, और वहाँ ज़मीन पर सेना उतारने से भारी जान-माल के नुकसान का काफ़ी जोखिम होगा -- जो उनके घरेलू दर्शकों (देश की जनता) के लिहाज़ से एक राजनीतिक रूप से जोखिम भरी रणनीति होगी। इसे सही परिप्रेक्ष्य में समझने के लिए, ईरान इराक से चार गुना बड़ा है और वहाँ विशाल, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाका है।

हालाँकि, खर्ग : जो लक्षद्वीप के सभी द्वीपों को मिलाकर बने कुल क्षेत्रफल से भी छोटा द्वीप है और ईरान के तट से लगभग 25 किलोमीटर दूर स्थित है -- ठीक वैसी ही जगह है जो किसी भी सैन्य कमांडर की नज़र में हमले के लिए सबसे उपयुक्त जगहों की सूची में सबसे ऊपर होगी।

इस द्वीप के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है; यह हमेशा गोपनीयता के आवरण में लिपटा रहता है और इसकी सुरक्षा आईआरजीसी के कमांडो करते हैं। ईरानियों के लिए, इसे 'वर्जित द्वीप' के नाम से जाना जाता है, जहाँ केवल कुछ चुनिंदा लोगों को ही जाने की सख़्त अनुमति है। लेकिन यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है? पाँच मील लंबा होने के बावजूद, खर्ग असल में ईरान के तेल निर्यात का नियंत्रण केंद्र है।

खर्ग द्वीप इतना महत्वपूर्ण क्यों है?: दिलचस्प बात यह है कि 1979 की क्रांति के दौरान ईरान ने अमेरिका से खर्ग द्वीप को अपने कब्ज़े में ले लिया था। आज, यहाँ से ईरान के कुल तेल निर्यात का 90त्न हिस्सा संसाधित होता है, और यहाँ सालाना लगभग 950 मिलियन बैरल तेल का प्रबंधन किया जाता है। सबसे अहम बात यह है कि खर्ग गहरे पानी के करीब है, जहाँ तेल टैंकर सुरक्षित रूप से डॉक कर सकते हैं और कच्चा तेल लोड कर सकते हैं; यह तेल ज़्यादातर भारत और चीन जैसे एशियाई बाज़ारों में जाता है।

2024 में, ईरान ने तेल की बिक्री से लगभग 78 बिलियन (7.2 लाख करोड़) कमाए। इस कमाई का ज़्यादातर हिस्सा खर्ग से बेचे गए कच्चे तेल से आया। यह पैसा न केवल सरकारी कामकाज के लिए फंड देता है, बल्कि ईरान के रक्षा प्रोजेक्ट्स के लिए भी बहुत ज़रूरी है--जिसमें उसके मिसाइल और ड्रोन बेड़े का विकास भी शामिल है।

इसलिए, खर्ग पर कब्ज़ा करना ईरानी शासन के लिए आर्थिक और सैन्य, दोनों ही लिहाज़ से एक जानलेवा झटका साबित होगा। इससे ट्रंप को काफी ज़्यादा मोलभाव करने की ताकत मिलेगी। आखिर, उन्होंने ईरानी तेल हासिल करने की संभावना को खुला रखा है। ठीक वैसे ही, जैसा उन्होंने वेनेज़ुएला के साथ किया था।

दरअसल, एईस की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में व्हाइट हाउस में हुई एक बेहद गोपनीय बैठक में, ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने खर्ग पर कब्ज़ा करने की संभावना पर चर्चा की थी।

शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप ने मीडिया को बताया कि इस तरह का ज़मीनी युद्ध होगा या नहीं, यह सवाल नहीं है; सवाल तो बस यह है कि यह कब होगा।

भू-राजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ पेप ने कहा, पिछले 100 सालों में, हवाई हमलों के ज़रिए किसी शासन को उखाड़ फेंकने की कई कोशिशें हुई हैं, लेकिन इस पूरे समय में, सिर्फ़ हवाई ताकत के दम पर ऐसा कभी नहीं हो पाया है। किसी शासन को बदलने के लिए, आपको न सिर्फ़ ज़मीनी युद्ध लड़ना पड़ता है, बल्कि एक बेहद क्रूर युद्ध लड़ना पड़ता है--जिसमें दोनों तरफ़ भारी नुकसान होता है और बहुत ज़्यादा जानें जाती हैं।

खर्ग द्वीप, भले ही ईरान के तेल का मुख्य केंद्र हो, लेकिन अपनी भौगोलिक स्थिति (दूरी) की वजह से यह उसकी सबसे बड़ी कमज़ोरी भी है। यह द्वीप मुख्य भूमि से लगभग 28 किलोमीटर दूर स्थित है--जो भारत और श्रीलंका के बीच की दूरी से थोड़ा ही कम है। इसलिए, अगर अमेरिका और इज़रायल की सेनाएँ अचानक ज़मीनी हमला कर दें, तो इतने कम समय में खर्ग तक अपनी सेना पहुँचाना ईरान के लिए मुमकिन नहीं होगा। लेकिन अमेरिका का ज़मीनी हमला किस तरह से आगे बढ़ेगा? एक काल्पनिक स्थिति का अंदाज़ा लगाने के लिए, हमने रक्षा विशेषज्ञ संदीप उन्नीथन से बात की है।

अमेरिका खर्ग द्वीप पर कब्ज़ा करने की कोशिश कैसे कर सकता है?: वहाँ मौजूद भारी सैन्य ताकतों को देखते हुए, खर्ग द्वीप पर कब्ज़ा करने की किसी भी कोशिश के लिए एक बहुत ही सोच-समझकर बनाई गई, कई चरणों वाली योजना की ज़रूरत होगी। ज़मीनी हमले की शुरुआत शायद हवाई क्षेत्र में अपनी पूरी पकड़ बनाने और ईरान के हवाई सुरक्षा तंत्र को पंगु बनाने से होगी--ताकि लड़ाकू विमान हमलावर सैनिकों को वहाँ उतार सकें; ठीक उसी तरह का ऑपरेशन, जैसा कि अमेरिका का दावा है कि उसने शुक्रवार को अंजाम दिया था। उन्नीथन के अनुसार, इस तरह के किसी भी ऑपरेशन में संभवतः नौसेना और वायुसेना का एक संयुक्त हमला शामिल होगा, जिसमें नेवी सील्स, डेल्टा फोर्स और आर्मी रेंजर्स जैसी स्पेशल फोर्स यूनिट्स हिस्सा लेंगी।

डिस्ट्रॉयर्स से लैस यूएस नौसेना का एक बेड़ा हवाई सुरक्षा कवर देगा, जबकि असॉल्ट जहाज़ सैनिकों को वहाँ पहुँचाएँगे। इसके अलावा, स्र वायुसेना अतिरिक्त सैनिकों को उस द्वीप तक पहुँचाएगी।

संयोग से, यूएस जापान से 2,500 मरीन सैनिकों और तीन एम्फीबियस युद्धपोतों--जिनमें यूएसएस ट्रिपोली भी शामिल है--को मध्य-पूर्व की ओर भेज रहा है; इससे यह संकेत मिलता है कि ज़मीनी हमला कभी भी शुरू हो सकता है।

अगर ऐसा होता है, तो ज़्यादातर सैन्य कार्रवाई शायद खर्ग के उत्तरी हिस्से पर केंद्रित होगी, जहाँ हवाई पट्टी और आईआरजीसी की सुविधाएँ मौजूद हैं। दक्षिणी हिस्से में, जहाँ तेल टर्मिनल और जेट्टी हैं, वहाँ शायद कम कार्रवाई होगी। खर्ग पर अमेरिका का संभावित हमला चार चरणों में हो सकता है।

4 चरणों में हमला

चरण 1: पहला कदम शायद द्वीप पर मौजूद ईरानी रडार, हवाई-रक्षा प्रणालियों और जहाज़-रोधी मिसाइल बैटरियों पर हमले करना होगा। इन्हें निष्क्रिय करने से द्वीप की ओर आ रहे विमानों और जहाज़ों के लिए जोखिम कम हो जाएगा, जिससे अमेरिकी सैनिकों के अंदर आने का रास्ता साफ़ हो जाएगा। ऐसा लगता है कि बमबारी के ज़रिए यह काम पहले ही पूरा कर लिया गया है।

चरण 2: एक बार जब अमेरिकी विशेष बल द्वीप पर पहुँच जाएँगे, तो उनका मुख्य उद्देश्य द्वीप की हवाई पट्टी पर कब्ज़ा करना और उसे सुरक्षित करना होगा। द्वीप के उत्तरी हिस्से में स्थित हवाई पट्टी को सुरक्षित करना चुनौतीपूर्ण होगा, क्योंकि इसका प्रबंधन आईआरजीसी करता है।

चरण 3: रनवे पर कब्ज़ा करने के बाद, सी-130 सुपर हरक्यूलिस विमानों और चिनूक हेलीकॉप्टरों के ज़रिए सैनिकों को वहाँ लाया जा सकता है। साथ ही, पास में मौजूद अमेरिकी युद्धपोत हवाई-रक्षा कवच प्रदान कर सकते हैं। इसके बाद ये सैनिक तेज़ी से आगे बढ़कर द्वीप पर मौजूद तेल के बुनियादी ढाँचे और मुख्य जेट्टियों को सुरक्षित कर सकते हैं।

चरण 4: अंतिम चरण में, मुख्य जेट्टियों पर लैंडिंग प्लेटफ़ॉर्म डॉक्स जैसे उभयचर जहाज़ों से अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया जा सकता है। ईरानी यूएवी से बचाव के लिए ड्रोन-रोधी प्रणालियाँ तैनात की जा सकती हैं, जबकि सैनिक पूरे द्वीप पर एक सुरक्षा घेरा बना लेंगे।

साथ ही, आरआरजीसी की नौसेना इकाइयों द्वारा संभावित हमलों से बचाव के लिए तेज़ हमलावर जहाज़ आस-पास के पानी में गश्त करेंगे।

इसके क्या परिणाम हो सकते हैं?: अगर इस तरह का समन्वित हमला ठीक से किया जाता है, तो यह निस्संदेह ईरान की कमर तोड़ देगा। ईरान के नौसैनिक बल पहले ही काफ़ी हद तक तबाह हो चुके हैं। इस हफ़्ते की शुरुआत में, ट्रंप ने दावा किया था कि लगभग 50 ईरानी नौसैनिक जहाज़ पहले ही नष्ट हो चुके हैं। इसलिए, खर्ग पर हमले की स्थिति में, ईरान कम समय में मुख्य भूमि से सैनिकों को दोबारा रसद नहीं पहुँचा पाएगा।

'मां उंगली पकड़कर संगीत की दहलीज पर ले गई तो सासू मां ने आगे बढ़ना सिखाया'

भूली-बिसरी लोक कला को जीवन दे रहीं शास्त्रीय गायिका और लोक कलाकार डॉ कुसुम भट्ट। कोई भी हुनर तभी अच्छे से निखरता है जब उसे अपने घर पर इसके लिए सकारात्मक माहौल मिलता है और जब बात एक महिला के हुनर की हो तो यह सपोर्ट एक नहीं दो-दो घरों से चाहिए होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आज हम आपको ऐसी ही शख्सियत के बारे में बता रहे हैं जो रंगमंच से लेकर टीवी जगत तक में उत्तराखंड की लोक संस्कृति का एक जाना पहचाना नाम हैं। हम बात कर रहे हैं डॉ कुसुम भट्ट की।

रामलीला से शुरू हुआ सफर : उत्तराखंड में बर्फ से ढंकी वादियों से घिरे पौड़ी गढ़वाल में पली-बढ़ीं डॉ कुसुम की शिक्षा और संगीत की दीक्षा पौड़ी में रहकर ही हुई। उन्हें अपने गुरु श्री मोहन सिंह रावत पौड़ी में ही मिले। वह बताती हैं, पांच भाई-बहनों के हमारे परिवार में मैं दूसरे नंबर की बेटी हूं। मां ने गायिकी में मेरी रुचि देखी तो उन्होंने प्रोत्साहित किया और संगीत की दीक्षा दिलवाई। पिता देवेंद्र दत्त कारोबारी तो मां रोशनी देवी गृहिणी मगर उन्होंने मुझे कभी संगीत की दिशा में आगे बढ़ने के लिए नहीं रोका। यह इसलिए अहम है कि उस दौर में संगीत से जुड़े लोगों खासकर महिलाओं को अच्छी नजर से नहीं देखा जाता था। मैंने रामलीला में गायन से शुरुआत की। महज 12 साल की उम्र में 1996 में मुझे सर्वश्रेष्ठ गायिका का पुरस्कार मिला। वहीं रहकर मैंने शास्त्रीय संगीत और तबला वादन में विशारद की। आगे की राह तलाशने के लिए 21 साल की उम्र में दिल्ली आ गई। शुरुआत में कई स्कूलों में म्यूजिक टीचर के तौर पर काम किया। इस दौरान सीडी, डॉक्युमेंट्री, शो में गाना शुरू किया।

ससुराल में मिलीं नई गुरु : ऐसे ही एक दिन मुझे एक शो के दौरान परफॉर्मेंस करते हुए ग्वालियर घराने की शास्त्रीय गायिका सविता देवी मिलीं। वह आकाशवाणी की आर्टिस्ट थीं। उन्हें मेरी कला और व्यक्तित्व इतना अच्छा लगा कि उन्होंने अपने बेटे के लिए मेरा हाथ मांग लिया। इस तरह मेरे जीवन में एक और गुरु का प्रवेश हुआ। मेरी सासू मां हमेशा मुझे संगीत के रियाज के लिए प्रोत्साहित करतीं। वह चाहती थीं कि शादी के बाद जिस तरह ज्यादातर कलाकारों को अपना हुनर त्यागना पड़ता है, वैसा मेरे साथ न हो। उन्हीं के प्रोत्साहन से मैंने संगीत के क्षेत्र में काम जारी रखा। सासू मां के बाद पति पीयूष शर्मा ने हर कदम पर साथ दिया। वह खुद भी कारोबारी हैं और क्रिकेटर रहे हैं।

पहाड़ों की नाट्य शैली दिल्ली में लाई : परिवार के इसी सपोर्ट के बदौलत, घर की जिम्मेदारियां निभाते हुए मैंने शास्त्रीय संगीत से एक कदम आगे बढ़ाकर उत्तराखंड के लोक नाट्य, लोक संगीत, लुप्त हो रही परंपराओं पर शोध शुरू किया। 2019 में मैंने उत्तराखंड के होली गीतों पर अपनी पीएचडी पूरी की। उसके बाद पहाड़ों की लुप्त हो रही पांडवानी पर रिसर्च शुरू की। दिल्ली में रहकर पहाड़ों की लुप्त हो रही कलाओं पर शोध कैसे करती हैं, इस सवाल पर डॉ कुसुम बताती हैं, संपर्क खोजकर मैं उन इलाकों तक जाती हूं जहां आज भी ये विधाएं अपने मूल रूप में हैं। हाल ही में मैं केदारघाटी, ऊखीमठ इलाके में गई जहां मुखौटा शैली, पांडवानी आज भी जिंदा है। मेरी कोशिश है कि रिसर्च के साथ मैं दिल्ली के युवाओं को भी इन विधाओं से अवगत कराऊ, इसीलिए मैं युवाओं को फ्री में पांडवानी, मुखौटा, होली गीत की वर्कशॉप कराती हूं। बुराड़ी, बदरपुर में ऐसी वर्कशॉप कर चुकी हूं। दिल्ली सरकार की गढ़वाली, कुमाऊंनी, जौनसारी अकादमी से मिले प्रोत्साहन की बदौलत बीते वर्ष में मैंने मोर मोर्याण, द्रौपदी को नारैण जैसे नाटक किए। द्रौपदी को नारैण पांडव शैली में लिखा गया मेरा नाटक है जिसे खूब सराहना मिली है। वहीं मोर मोर्याण मुखौटा शैली का नाट्य है। यह वही मुखौटा शैली है जिसे यूनेस्को से भी मान्यता मिली है। उत्तराखंड के वरिष्ठ रंगकर्मी डी आर पुरोहित ने इस क्षेत्र में काफी काम किया है और उन्हीं से प्रभावित होकर मैंने उत्तराखंड की मुखौटा शैली पर काम आगे बढ़ाया है।

कहीं जिम्मेदारियों के बोझ तले दम तो नहीं तोड़ रहे आपके सपने?

शुरुआत में हर ख्वाब हमें अपना-सा लगता है। वे ख्वाब हमारे मन में इतने गहरे बैठ जाते हैं कि हमें लगता है जैसे वे हमारी ही दुनिया हों। हर मंजिल हमसे बस कुछ कदमों की दूरी पर दिखाई देती है। हम ख्वाबों के रंगीन संसार में खो जाते हैं, जहां सब कुछ सुंदर होता है, सरल होता है। हम यह मान लेते हैं कि मेहनत करेंगे तो सब मिल जाएगा, कि हर बाधा को हम आसानी से पार कर लेंगे। उस समय हमारे भीतर आत्मविश्वास होता है, जोश होता है और भविष्य के प्रति एक अटूट विश्वास होता है, लेकिन जैसे-जैसे वक्त गुजरता है, हम हकीकत का सामना करने लगते हैं।

जिंदगी में हम हमेशा कुछ न कुछ चाहने की आदत में बंधे रहते हैं। यह चाहत ही शायद हमें इंसान बनाती है, हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। कभी ये इच्छाएं छोटी होती हैं, जैसे किसी अपने की मुस्कान, किसी परीक्षा में सफलता, या एक सुकून भरी शाम और कभी बहुत बड़ी जैसे एक बेहतर भविष्य, पहचान, सम्मान और अपने सपनों की उड़ान। मगर हर इच्छा, हर ख्वाब हमें आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।

जब हम अपनी आंखों में ख्वाब संजोते हैं, तो वह ख्वाब हमें इस दुनिया के हर कोने में कुछ नया खोजने की प्रेरणा देता है। इन्हीं ख्वाबों के सहारे हम अपने जीवन के भविष्य के महल मन ही मन बना लेते हैं, मानो हर मंजिल हमारी मुट्ठी में हो। उस समय हमें लगता है कि हम कुछ भी कर सकते हैं, कुछ भी पा सकते हैं, लेकिन क्या कभी हमने ठहरकर यह सोचा है कि इन ख्वाबों को पूरा करने का रास्ता उतना आसान नहीं होता, जितना हमें शुरुआत में लगता है?

शुरुआत में हर ख्वाब हमें अपना-सा लगता है। वे ख्वाब हमारे मन में इतने गहरे बैठ जाते हैं कि हमें लगता है जैसे वे हमारी ही दुनिया हों। हर मंजिल हमसे बस कुछ कदमों की दूरी पर दिखाई देती है। हम ख्वाबों के रंगीन संसार में खो जाते हैं, जहां सब कुछ सुंदर होता है, सरल होता है। हम यह मान लेते हैं कि मेहनत करेंगे तो सब मिल जाएगा, कि हर बाधा को हम आसानी से पार कर लेंगे। उस समय हमारे भीतर आत्मविश्वास होता है, जोश होता है और भविष्य के प्रति एक अटूट विश्वास होता है, लेकिन जैसे-जैसे वक्त गुजरता है, हम हकीकत का सामना करने लगते हैं।

हकीकत की ठोकरें हमें हमारे ख्वाबों की असली कीमत समझाने लगती हैं। जिन रास्तों पर हमने फूलों की कल्पना की थी, उन्हीं रास्तों पर कांटे उग आते हैं। असफलताएं हमें घेर लेती हैं और हमारी उम्मीदें धीरे-धीरे फीकी पड़ने लगती हैं। ऐसा आमतौर पर होता है कि जब कोई चीज हमें आसानी से मिल जाती है, तो हम उसकी कीमत समझने की कोशिश नहीं करते। इसी तरह, अगर कोई व्यक्ति हमसे विनम्र और सद्भावपूर्ण व्यवहार करता है, हमें अपनी बात रखने या अपनी पसंद से आचरण करने की जगह मिलने पर कोई आपत्ति नहीं करता, तो हम वैसे व्यक्ति को हल्का मानकर उसकी अनदेखी करते हैं या उसे कम करके आंकते हैं।

मगर यही जब हमारे व्यक्तित्व में घुल जाता है, तब हम ऐसे व्यवहार की आदी हो जाते हैं और हमारे भीतर एक विचित्र अहं अपने पांव पसारने लगता है। हमें इसका भान तब होता है, जब हम किसी के लिए कुछ करते हैं और उसकी कद्र करते हैं और वह हमें कोई महत्त्व नहीं देता। दरअसल, बात यहां यह है कि हमें दूसरों के प्रति ही वैसा व्यवहार करना चाहिए, उसकी कद्र करनी चाहिए, जो हम अपने लिए दूसरों से अपेक्षा करते हैं। वक्त का पहिया कभी रुकता नहीं। यह बिना किसी से पूछे हमें आगे धकेलता रहता है।

इस रफ्तार में हम अक्सर अपने ख्वाबों को पीछे छोड़ देते हैं। हमें लगने लगता है कि दुनिया के साथ चलने के लिए हमें अपने सपनों से समझौता करना पड़ेगा। जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का बोझ हमारे कंधों पर इतना बढ़ जाता है कि हम खुद के लिए समय निकालना ही भूल जाते हैं। परिवार, समाज और परिस्थितियों की अपेक्षाएं हमें जकड़ लेती हैं। धीरे-धीरे हम अपने भीतर के उस इंसान से दूर हो जाते हैं, जो कभी बड़े सपने देखा करता था। वक्त की इस अंधी दौड़ में हम यह भूल जाते हैं कि एक समय था जब हमारे ख्वाब हमारे जीने का कारण हुआ करते थे।

फिर किसी एक शाम, जब हम अकेले होते हैं और जिंदगी की रफ्तार कुछ धीमी पड़ जाती है, तब अचानक हमारे भीतर कहीं कोई आवाज गूंजने लगती है। यह आवाज हमारे उन्हीं ख्वाबों की होती है, जो कभी हमारी आंखों में चमक बन कर बसे थे। जब कोई ठंडी हवा चेहरे को छूती है और हम अपनी जिंदगी के बीते वर्षों को याद करते हैं, तो दिल के किसी कोने से एक सवाल उठता है- 'क्या हुआ उन ख्वाबों का, जो कभी तुम्हारी आंखों में उम्मीदों की तरह चमकते थे?' यह सवाल हमें बेचैन कर देता है। हमें एहसास होता है कि कहीं न कहीं हमने अपने ख्वाबों को रास्ते में ही छोड़ दिया है।

जिंदगी की दौड़ में हम बहुत-सी चीजों को खो देते हैं। हम अपने शौक, अपनी मासूम इच्छाएं, और कभी-कभी अपनी पहचान भी खो बैठते हैं। दूसरों की अपेक्षाओं को पूरा करते-करते हम खुद की अपेक्षाओं को दबा देते हैं, लेकिन यह बेहद जरूरी है कि हम खुद को पूरी तरह से बदलने न दें। कभी इतना न बदल जाएं कि हम अपने असली ख्वाबों को ही भूल जाएं, क्योंकि यही ख्वाब थे, जिन्होंने हमें एक दिशा दी थी, जिन्होंने हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी थी। अगर हम अपने ख्वाबों को मरने देंगे, तो हम धीरे-धीरे अपनी असल पहचान भी खो देंगे।

सपने हमें जीने की वजह देते हैं। वे हमें हर गिरावट के बाद उठने की ताकत प्रदान करते हैं। यह सच है कि ख्वाबों की राह आसान नहीं होती। इस राह में असफलताएं आती हैं, निराशा मिलती है, और कई बार खुद पर भी शक होने लगता है। मगर इन्हीं मुश्किलों से गुजर कर सपने साकार होते हैं। संघर्ष के बिना कोई भी सपना सच नहीं होता। जरूरी यह नहीं है कि हम हर ख्वाब पूरा कर ही लें, जरूरी यह है कि हम उन्हें जिंदा रखें।

वैश्विक सर्वेक्षणों के अनुसार यदि अक्षय ऊर्जा को नीति और निवेश के साथ जोड़ा जाए तो इससे न केवल अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि पर्यावरणीय समस्याओं से भी राहत मिलेगी।

प्रदूषण की लगातार बढ़ती समस्या और प्राकृतिक संसाधनों का सीमित होना आज दुनिया की बड़ी चुनौतियों में शामिल है। हर देश और नागरिक इस स्थिति से प्रभावित हैं। वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लगातार बढ़ते प्रदूषण को कैसे रोका जाए, क्योंकि यह प्रतिवर्ष लाखों लोगों की जान ले रहा है।

राइट टाउन में व्यवसायिक मल्टी स्टोरी का होगा निर्माण, निगम की आय में होगी भारी बढ़ोत्तरी - महापौर

आवारा श्वानों से नागरिकों को राहत प्रदान करने शत्प्रतिशत बधियाकरण पर रहेगा विशेष फोकस, कार्य योजना तैयार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शताब्दीपुरम स्थित चौक का नाम आचार्य कृष्णकांत चतुर्वेदी चौक, छोटा फुहारा से सूजीपुरा मार्ग का नाम श्री चिंतामन साहू जी मार्ग, श्री तारण-तरण दिगम्बर जैन चैत्यालय परिसर के सामने पी.के. कार्नर से आस्था लैब तक के मार्ग का नाम संत तारण-तरण मार्ग एवं गढ़ा बाजार वाले मुख्य मार्ग से श्रीराम लीला मैदान की ओर जाने वाले मार्ग को श्रीरामलीला मार्ग के नाम से नामकरण करने के प्रस्ताव एम.आई.सी. से पारित जबलपुर। वित्तीय वर्ष 2026-27 का अनुमानित आय-व्यय बजट शहर के नागरिकों की सुविधाओं में व्यापक बढ़ोत्तरी करने एवं शहर का समग्र विकास करने तथा शहर को सुन्दर शहर बनाने की कल्पना हो साकार करने बड़ी सोच एवं विजन के साथ तैयार किया गया बजट महापौर जगत बहादुर सिंह ह्यह्यअन्नूह्लह्ल की अध्यक्षता में आयोजित एम.आई.सी. बैठक में पारित किया गया। इस अवसर पर महापौर श्री अन्नू ने बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 का अनुमानित बजट पिछले वर्ष से और बेहतर एवं व्यवस्थित बजट होगा। इस बजट से बहुत शीघ्र ही शहर महानगर का स्वरूप लेगा और शहर की सुन्दरता में चारचॉद लगेगा। महापौर ने कहा कि नगर निगम को आत्मनिर्भर बनाने तथा शहर की उन्नति की ओर बढ़ाने वाला यह बजट हमारे देवतुल्य नागरिकों के लिए पिछले वर्ष के बजट से इस वर्ष बेहतर बजट कहलायेगा। मेयर इन काउंसिल की बैठक में आज बजट पारित करने के साथ-साथ कई बड़े महात्वपूर्ण निर्णय लिये गए जिसमें राइट टाउन स्थित अधिग्रहित 25 हजार वर्गफुट की जमीन पर कामर्शियल मल्टीस्टोर काम्पलेक्स का निर्माण कराया जायेगा, जिससे निगम की आय में भारी बढ़ोत्तरी होगी, इसके साथ-साथ नागरिकों को आवारा श्वानों से राहत प्रदान करने 100 प्रतिशत बधियाकरण पर फोकस करने के अलावा डेली नीड्स की दुकानें खोली जायेगीं और स्थानीय शिक्षित युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेगें। नर्मदा प्रसादम मार्केट के साथ स्वयं सेवी संस्थाओं के महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने दीदी कैफे और पालनाघर की भी शीघ्र शुरूआत होगी। इसके साथ-साथ शताब्दीपुरम स्थित चौक का नाम आचार्य कृष्णकांत चतुर्वेदी चौक, छोटा फुहारा से सूजीपुरा मार्ग का नाम श्री चिंतामन साहू जी मार्ग, श्री तारण-तरण दिगम्बर जैन चैत्यालय परिसर के सामने पी.के. कार्नर से आस्था लैब तक के मार्ग का नाम संत तारण-तरण मार्ग एवं गढ़ा बाजार वाले मुख्य मार्ग से श्रीराम लीला मैदान की ओर जाने वाले मार्ग को श्रीरामलीला मार्ग के नाम से नामकरण नामकरण करने के प्रस्ताव को एम.आई.सी. से पारित किया गया। इसके अलावा भी महापौर के द्वारा एम.आई.सी. की बैठक में महात्वपूर्ण निर्णय लिये गए। एम.आई.सी. की बैठक में मेयर इन काउंसिल के सदस्य डॉ. सुभाष तिवारी, दामोदर सोनी, श्रीमती अंशुल राघवेन्द्र यादव, श्रीमती रजनी कैलाश साहू, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के साथ, अपर आयुक्त अरविंद शाह, विद्यानंद बाजपेयी, मनोज श्रीवास्तव के साथ विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

नर्मदा मैया को सदानीरा बनायेगी सहायक नदियां : मोहन नागर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय रेवा सेवा समागम कार्यशाला का आयोजन राज्य वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर के सभागार में संपन्न हुआ। पद्मश्री मोहन नागर ने सदानीरा नर्मदा, निर्मल नर्मदा की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नर्मदा केवल एक नदी नहीं बल्कि मध्यप्रदेश की आस्था संस्कृति और जीवन का आधार है उन्होंने सहायक नदियों के पुनर्जीवन, जनजागरूकता एवं जनभागीदारी को नर्मदा संरक्षण का प्रमुख आधार बताया तथा सभी से सतत प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री से सम्मानित मोहन नागर, निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी महाराज, दंडी संन्यासी नरसिंह विजयेंद्र सरस्वती महाराज, स्वामी गिरीशानंद सरस्वती महाराज, डॉ.जितेंद्र जामदार, पूर्व उपाध्यक्ष, डॉ.बकुल लाड़ कार्यपालक निदेशक, करण कौशिक सचिव नर्मदा समग्र, शिवनारायण पटेल, सरदार अजित सिंग सीटू सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में माँ नर्मदा के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का सुभारम्भ किया गया। डॉ स्वामी गिरीशानंद सरस्वती ने न्यायालयीन निदेर्शों के अनुरूप नर्मदा संरक्षण कार्यों को गति देने तथा जनसहभागिता बढ़ाने पर जानकारी दी। स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी ने नर्मदा सेवा यात्रा के सकारात्मक प्रभावों का उल्लेख करते हुए नर्मदा के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक आर्थिक महत्व पर जानकारी देते हुये "जल ही जीवन हैह्व ह्वजल में ही जीवन हैह्व का भाव बताया है। डॉ बकुल लाड़ कार्यपालक निदेशक द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर सभी को जानकारी दी गई है। कार्यक्रम में डॉ जितेंद्र जामदार, करण कौशिक सचिव नर्मदा समग्र, कार्तिक सप्रे द्वारा भी नर्मदा जी के विषयों पर सभी को जानकारियो से अवगत कराया गया है।

पारंपरिक कृषि पर मार्गदर्शन :

द्वितीय सत्र में ह्वनर्मदा जलग्रहण क्षेत्र एवं जैविक एवं पारंपरिक कृषिह्व विषय पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान प्राकृतिक खेती, वर्मी कम्पोस्ट, जैविक खाद एवं पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाने पर बल दिया गया तथा किसानों को इसके दीर्घकालीन लाभों से अवगत कराया गया।

घाट संस्कृति का महत्व :

तृतीय सत्र में ह्वघाट संस्कृति एवं घाट संरक्षणह्व विषय पर चर्चा करते हुए घाटों के सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक महत्व को रेखांकित किया गया। साथ ही घाटों की स्वच्छता, संरक्षण एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन हेतु आवश्यक उपायों पर प्रतिभागियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

नदियों का संरक्षण एवं पुनर्जीवन :

चतुर्थ सत्र में नर्मदा नदी एवं उसकी सहायक नदियों के संरक्षण, संवर्धन एवं पुनर्जीवन विषय पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। इस सत्र में कार्ययोजना के प्रभावी क्रियान्वयन, सहभागी संस्थाओं एवं व्यक्तियों की भूमिका, समयबद्ध क्रियान्वयन एवं विभिन्न चरणों में किए जाने वाले कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को व्यावहारिक रूप से कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों द्वारा नर्मदा संरक्षण, जल संवर्धन, पर्यावरण संरक्षण एवं जैविक जीवनशैली को अपनाने का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में नर्मदा नदी के तटीय जिलों से आये प्रतिभागियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न किया गया है।

कृषि स्टार्टअप जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से विश्वविद्यालय में संचालित कृषि स्टार्टअप के अंतर्गत- जवाहर आर-एबीआई ने 73 एग्री-स्टार्टअप कंपनियों को स्थापित किया है। वर्तमान में 8वें बैच के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके माध्यम से छात्र-छात्राओं, उद्यमियों और किसानों को प्रोत्साहित (प्रमोट) किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय में संचालित कृषि स्टार्टअप कार्यक्रम जवाहर आर-एबीआई द्वारा मंगलायतन विश्वविद्यालय, जबलपुर में कृषि स्टार्टअप जागरूकता अभियान में 150 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में वक्ता डॉ. लवीना शर्मा, बिजनेस मैनेजर, जवाहर आर-एबीआई ने छात्र-छात्राओं को कृषि आधारित स्टार्टअप्स, इन्क्यूबेशन प्रक्रिया, वित्तीय अनुदान एवं मार्गदर्शन तथा एग्री-स्टार्टअप्स हेतु 8.0 बैच के आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई, 2026 की जानकारी से अवगत कराया तथा जवाहर आर-एबीआई टीम सुश्री लक्ष्मी सिंह एवं दीपांशु पटेल ने संबंधित प्रश्नों के उत्तर प्रदान किए। मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के. आर. एस. सांबशिवा राव एवं प्रो. विनीता कौर सलूजा का विशेष सहयोग रहा। डॉ. मोनी थॉमस, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, जनेकृविवि के निरंतर मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देश से जागरूकता कार्यक्रम संभव हो पा रहे हैं। कार्यक्रम में समन्वय डॉ. प्रियंका मिश्रा दुबे, डॉ. जागृति उपाध्याय, डॉ. अंकिता राजपूत, डॉ. नकुल राव रंगारे एवं डॉ. विजय बागरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जबलपुर के 75 हजार परिवारों को मिलेगा भरपूर पानी, अमृत 2.0 परियोजना के कार्यों ने पकड़ी रफ्तार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर की पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और हर घर तक शुद्ध जल पहुँचाने के लिए नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने आज ह्वअमृत फेज-2ह्ल परियोजना की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से समझौता किए बिना इन्हें समय सीमा में पूरा किया जाए।

चार नई टंकियों का निर्माण शुरू, इन क्षेत्रों को मिलेगा लाभ

बैठक में जानकारी दी गई कि शहर के चार प्रमुख स्थानों पर उच्च स्तरीय पानी की टंकियों के निर्माण हेतु भूमिपूजन के साथ ही कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। ये टंकियां सगड़ा, धन्वंतरि नगर, सत्यानंद विहार और कैलाशपुरी पहाड़ी पर टंकियों के पूर्ण होने से पुराने उपभोक्ताओं के साथ-साथ लगभग 75,000 नए परिवारों को दोनों समय पर्याप्त दबाव के साथ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

जल शोधन संयंत्रों का कायाकल्प

निगमायुक्त ने बताया कि शहर की बढ़ती आबादी की जरूरतों को देखते हुए मौजूदा इंफ्रास्ट्रक्चर को भी अपग्रेड किया जा रहा है। ललपुर, रांझी और भोंगा द्वार स्थित जल शोधन संयंत्रों का जीर्णोद्धार कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है।

क्षमता में वृद्धि

इस नवीनीकरण से प्लांट की वाटर प्रोसेसिंग क्षमता बढ़ेगी। बैठक में बताया कि ललपुर में 135 डस्क क्षमता के नए इन्टेकवेल का निर्माण कार्य भी तीव्र गति से जारी है, जिससे भविष्य में जल संकट की संभावना को खत्म किया जा सके। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने अधिकारियों को बताया कि अमृत 2.0 परियोजना शहर की जीवनरेखा है। हमारा लक्ष्य है कि पाइपलाइन विस्तार और नई टंकियों के माध्यम से शहर के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी सुचारू रूप से जल आपूर्ति हो सके। बैठक में अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, सहायक यंत्री राजेश खंपरिया अंकुर नाग के साथ सभी कंसल्टेंट और ठेकेदार आदि उपस्थित रहे।

बकायादारों के खिलाफ सख्त हुआ नगर निगम, राजस्व वसूली में आई तेजी, 4 संभागों में हुई कुर्की की कार्रवाई

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निदेर्शानुसार शहर के विकास कार्यों को गति देने और नगर निगम के खजाने को मजबूत करने के उद्देश्य से, नगर निगम जबलपुर के संभाग क्रमांक 02 कछपुरा, संभाग क्रमांक-7 अधारताल, संभाग क्रमांक-8 भानतलैया, संभाग क्रमांक-10 रांझी एवं संभाग क्रमांक 14 विजय नगर में आज बकाया करदाताओं के विरुद्ध एक बड़ा अभियान चलाया। संभागीय अधिकारी दिनेश प्रताप सिंह संभाग क्रमांक 2 ने बताया कि कमला नेहरू नगर वार्ड में अरुण कुमार शुक्ला पर बकाया राशि 87,200/- रुपए होने के कारण सम्पत्ति अधिग्रहण की कार्यवाही की गयी वहीं जल शुल्क वसूली के दौरान नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही की गयी।

संभाग क्रमांक 7 अधारताल के संभागीय अधिकारी सुरेन्द्र मिश्रा ने बताया कि महर्षि महेश योगी वाउ में सम्पत्ति कुर्क करने नोटिस चस्पा किये गए एवं जल कर राशि जमा न करने पर नल कनेकशन काटने की कार्यवाही की गयी। कार्यवाही के दौरान राजस्व निरीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव, सहायक राजस्व निरीक्षक मनीष शर्मा, प्रदीप विश्वकर्मा, रमेश पनिका, राम सजीवन विश्वकर्मा, राज किशोर चौबे एवं स्वास्थ्य विभाग का पूरा अमला उपस्थित रहा।

संभागीय अधिकारी महेन्द्र पाल सिंह उइके ने बताया कि संभाग 8 भानतलैया के अंतर्गत हनुमानताल वार्ड में कलीमुल्ला पर 99,360, कुंवरलाल पर 1,93,960, काशीराम पर 80,631, मेसर्स मालपाणी मैन्यू फैक्ररिंग 1,91,251, मुन्ना लाल पर 80,715 एवं हाजी मो. युसुफ पर 72,015 रुपए बकाया होने पर कुर्की की कार्यवाही की गयी।

इसी प्रकार संभागीय अधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि नगर निगम की टीम ने विभिन्न वार्डों में बकाया राशि न चुकाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ त्वरित और प्रभावी कदम उठाए है। उन्होंने बताया कि महर्षि सुदर्शन वार्ड में हजारों रुपयों का बकाया होने पर कई बड़े डिफॉल्टरों के नल कनेक्शन काट दिए गए। शहीद भगत सिंह वार्ड में बड़े बकायादारों के घरों के बाहर कुर्की के पोस्टर चस्पा किए गए, ताकि जनता में कर भुगतान के प्रति जागरूकता बढ़े। चंद्रशेखर आजाद वार्ड में 96,070 जैसे बड़े बकाया पर निगम ने न केवल कुर्की का पोस्टर लगाया, बल्कि संपत्ति की तालाबंदी भी की।

राजस्व वसूली से होगा शहर का विकास

निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने कहा कि करों की समय पर वसूली से ही शहर की सड़कों, बिजली और स्वच्छता जैसे बुनियादी ढांचे में सुधार किया जा सकता है। यह कार्रवाई उन ईमानदार करदाताओं के हक में है जो समय पर टैक्स चुकाते हैं। इस अभियान के दौरान राजस्व निरीक्षक नरेन्द्र सिंह राजपूत, वार्ड कर संग्रहिता सविता कुशवाहा सहित पूरी टीम मुस्तैद रही। निगम अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अप्रिय कार्रवाई से बचने के लिए अपने बकाया करों का भुगतान तत्काल करें और शहर के विकास में भागीदार बनें। संभागीय अधिकारी सुदीप पटेल ने बताया कि संभाग क्रमांक 14 विजय नगर के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 35 ईदन दास मालगानी पता - मेन रोड आई.टी.आई. जिसमें बकाया राशि 71,554 रुपए होने पर कुर्की की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के समय राजस्व निरीक्षक मन्नू पटेल, वार्ड कर संग्रहिता अस्वनी गुप्ता एवं राजस्व की टीम आदि उपस्थित रही।

30 मार्च घोषित हो महावीर जयंती का अवकाश

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पूरे देश में महावीर जयंती का आयोजन 30 मार्च को जैन समाज द्वारा रखा गया है। सरकार ने अवकाश 31 मार्च का घोषित किया हुआ है। सरकार द्वारा 31 मार्च की घोषणा करने से असमंजस की स्थिति बन पड़ी है। जैन समाज के संगठन एवं सभी पदाधिकारी एक स्वर में अवकाश 30 मार्च को रखने की मांग करते है इसीलिए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों से यह मांग की जाती है कि 31 मार्च 2026 की बजाए 30 मार्च 2026 को महावीर जयंती अवकाश घोषित किया जाए। उपरोक्त मांग का समर्थन मध्य प्रदेश शाखा के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व विधायक सुनील जैन महामंत्री कमलेश जैन उपाध्यक्ष विभाष जैन संदीप सिंघई प्रदीप चौधरी मनोज सेठ संजय जैन किपी पवन दिवाकर, डॉ चंद्रेश जैन देवेन्द्र जैन डॉ महेंद्र जैन राजकुमार जैन राजेन्द्र जैन बंधु मामा जी अमित जैन युवा निर्मल चंद जैन सचिन जैन संजय जैन नवीन जैन कपिल जैन राहुल जैन अजित जैन शरद समैया आदि ने भी किया।

जनता के बीच पहुंचे निगमायुक्त, बगल में बिठाकर सुनी समस्याएं, चाय-पानी के साथ कराया समाधान

जबलपुर। नगर निगम की जनसुनवाई में आज एक बेहद सुखद और संवेदनात्मक तस्वीर देखने को मिली। नगर निगम आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने संवेदनशीलता की एक नई इबारत लिखी। उन्होंने न केवल नागरिकों की शिकायतों को सुना, बल्कि उन्हें अपने बगल वाली कुर्सी पर बिठाकर सत्कार के साथ उनकी समस्याओं का मौके पर ही निराकरण सुनिश्चित किया। निगमायुक्त ने बताया कि आज मुख्यालय में 33 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 6 अतिक्रमण विभाग, 5 भवन शाखा, 3 स्थापना, 2 स्वास्थ विभाग, 2 सम्पदा, 2 जल, 1 योजना, 1 लेखा शाखा, 1 सीवर लाइन, 1 संभाग क्रमांक 01, 1 संभाग क्रमांक 05, 1 संभाग क्रमांक 10 एवं 2 संभाग क्रमांक 15 से संबंधित है समस्त शिकायतों को संबंधित विभाग में प्रेषित किया गया व कुछ शिकायतों का राजस्व एवं स्वास्थ विभाग द्वारा त्वरित निराकरण किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भूतपूर्व छात्र पुनर्मिलन कार्यक्रम आयोजित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संत अलॉयसियस महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भूतपूर्व विद्यार्थियों के बीच संवाद और संबंध सुदृढ़ करने हेतु ह्वपुनर्मिलन कार्यक्रमह्ल का आयोजन शनिवार 14 मार्च 2026 को किया गया। कार्यक्रम में विभाग के अनेक पूर्व छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत स्वागत भाषण के साथ ही गयी, जिसमें विभागाध्यक्ष डॉ. विश्वास पटेल ने पूर्व विद्यार्थियों का अभिनंदन किया। पूर्व छात्रों ने अपने अनुभव साझा किये ' इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फा. बेन एन्टोन रोज ने अपने उद्बोधन में सभी उपस्थित पूर्व विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पुनर्मिलन कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि यह भावनाओं, स्मृतियों और अनुभवों को साझा करने का एक सशक्त मंच है। भूतपूर्व छात्र किसी भी शैक्षणिक संस्थान की अमूल्य धरोहर होते हैं। उनका योगदान विभिन्न रूपों में विभाग एवं महाविद्यालय के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भूतपूर्व छात्र आर्थिक सहयोग, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, सेमिनार, कार्यशालाओं एवं विशेष व्याख्यानों के माध्यम से अपने ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करने और विद्यार्थियों के लिए इंटर्नशिप एवं रोजगार के अवसर भी सृजित कर सकते है।इसी अवसर पर भूतपूर्व परीक्षा नियंत्रक, रादुविवि एवं भूतपूर्व छात्रा संत अलॉयसियस महाविद्यालय डॉ. रश्मि मिश्र टंडन द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने हेतु स्नातकोत्तर स्तर पर स्वर्ण पदक स्थापित किया गया। इस सराहनीय पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना तथा विभाग की शैक्षणिक गुणवत्ता को और सुदृढ़ करना है। महाविद्यालय प्राचार्य एवं विभाग ने इस पहल के लिए भूतपूर्व छात्र के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा की उनका यह योगदान महाविद्यालय के प्रति उनके जुड़ाव एवं समर्पण को दशार्ता है।अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह पुनर्मिलन कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए यादगार अनुभव रहा। कार्यक्रम में डॉ. तुहिना जौहरी, डॉ. कैरोलिन सैनी, सुश्री तहरीम अंजुम, श्री जितेन्द्र जैन एवं श्री योहन यादव की उपस्थिति रही।

श्रीमति सुशीला सिंह ठाकुर जी का निधन

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

गढ़ाफाटक बड़ी महाकाली निवासी श्री बड़ी महाकाली के पंडा विजय सिंह,विनोद सिंह,विश्वनाथ सिंह,नरेश सिंह,राजू सिंह,रामसिंह , और श्याम सिंह ठाकुर की माता जी श्रीमति सुशीला सिंह ठाकुर जी का आज आकस्मिक स्वर्गवास हो गया है जिनका अंतिम संस्कार मंगलवार को रानीताल मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

पश्चिम मध्य रेल में कैशलेस ट्रांजेक्शन से 10 करोड़ से अधिक का राजस्व अर्जित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

भारतीय रेल द्वारा यात्रियों को अत्याधुनिक डिजिटल तकनीकों के माध्यम से सुविधाजनक, सुरक्षित एवं पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से कैशलेस ट्रांजेक्शन को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी दिशा में पश्चिम मध्य रेल भी सक्रिय रूप से प्रयासरत है और विभिन्न डिजिटल भुगतान माध्यमों के उपयोग को प्रोत्साहित कर रही है।

पश्चिम मध्य रेल के तीनों मंडलों–जबलपुर, भोपाल एवं कोटा–में पीआरएस (Passenger Reservation System) एवं यूटीएस (Unreserved Ticketing System) काउंटर्स पर यूपीआई/भीम, मोबाइल टिकटिंग तथा पीओएस मशीनों के माध्यम से कैशलेस भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अतिरिक्त, यात्रियों को ट्रेनों एवं स्टेशन परिसरों में डिजिटल माध्यमों से टिकट खरीदने और भुगतान करने हेतु भी प्रेरित किया जा रहा है।

चालू वित्तीय वर्ष के फरवरी माह में पश्चिम मध्य रेल ने पीआरएस एवं यूटीएस के माध्यम से कुल 8,73,727 यात्रियों से ?10,88,81,953 का कैशलेस ट्रांजेक्शन कर रेलवे राजस्व अर्जित किया। इसमें पीआरएस के अंतर्गत पीओएस मशीनों से ?15,14,370 तथा यूपीआई/भीम ऐप से ?4,77,54,058 का राजस्व प्राप्त हुआ। वहीं यूटीएस प्रणाली में मोबाइल टिकटिंग से ?67,90,450 एवं यूपीआई/भीम ऐप से ?5,30,23,075 का राजस्व अर्जित किया गया।

डिजिटल भुगतान के लाभः-

डिजिटल भुगतान प्रणाली से यात्रियों को नकद धनराशि ले जाने की आवश्यकता समाप्त होती है, जिससे समय की बचत के साथ-साथ लेन-देन में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होती है। रेलवे द्वारा अपनाए गए सभी डिजिटल भुगतान माध्यम उन्नत एन्क्रिप्शन एवं डेटा प्रमाणीकरण तकनीकों से सुरक्षित बनाए गए हैं।

पश्चिम मध्य रेल अपने तीनों मंडलों में डिजिटल भुगतान प्रणाली को और अधिक सशक्त एवं सुलभ बनाने हेतु निरंतर प्रयास कर रही है। भविष्य में अधिक से अधिक यात्रियों को कैशलेस ट्रांजेक्शन से जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान एवं तकनीकी विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक्र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

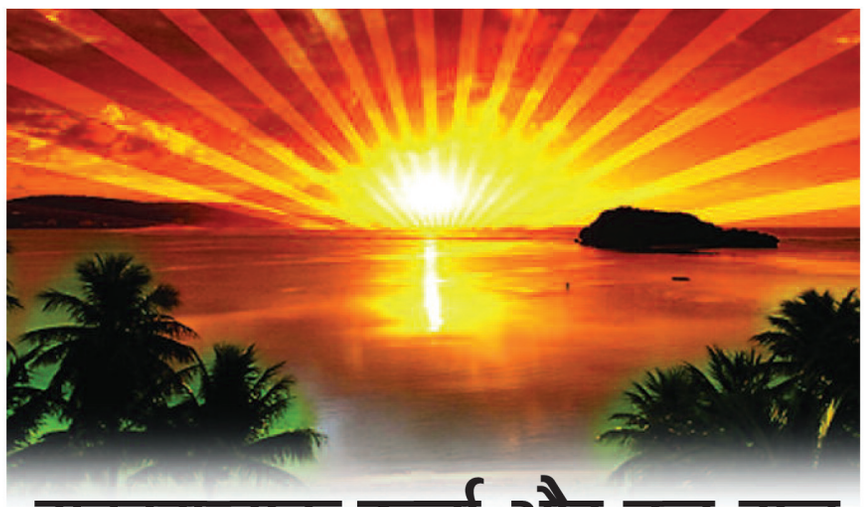

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद

एक खूबसूरत रत्न

जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

हंसिका मोटवानी की पर्सनल लाइफ के ड्रामे से एक्स भाभी परेशान, विवादों से झाड़ा पल्ला, बोलीं- 'फेक दुनिया' से मत जोड़ो

साउथ और बॉलीवुड की चर्चित एक्ट्रेस इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं. उनकी शादी, रिश्तों और परिवार से जुड़े विवादों की खबरें अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं. इसी बीच अब उनकी एक्स भाभी मुस्कान नैंसी जेम्स ने मीडिया और सोशल मीडिया यूजर्स से एक खास अपील की है, जिसने इस पूरे मामले को फिर से चर्चा में ला दिया है.

हंसिका मोटवानी ने शादी के 3 साल बाद अपने पति सोहेल कथुरिया से अलग होने का फैसला किया है. एक्ट्रेस की पर्सनल लाइफ लोगों के बीच चर्चा बटोर रही है. इसी बीच उनकी एक्स भाभी मुस्कान नैंसी जेम्स ने साफ तौर पर कहा है कि उनका नाम बार-बार हंसिका से जोड़कर खबरों में लाया जा रहा है, जबकि वो इस पूरे विवाद से दूरी बनाए रखना चाहती हैं. उन्होंने मीडिया से रिक्वेस्ट की है कि उन्हें इस मामले में घसीटना बंद किया जाए और उनकी निजी जिंदगी का सम्मान किया जाए.

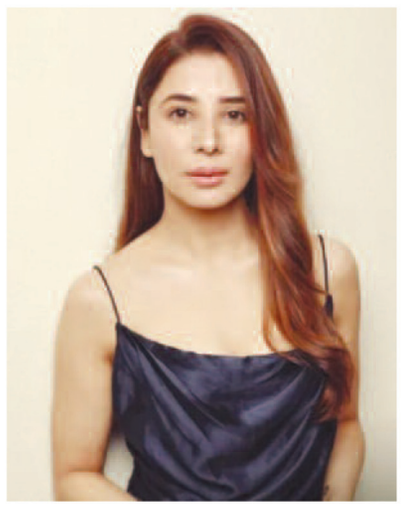

शादी के बाद हो गई थीं अलग

मुस्कान नैंसी जेम्स टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस रह चुकी हैं और कई पॉपुलर शो में भी नजर आ चुकी हैं. उनका रिश्ता हंसिका मोटवानी के परिवार से तब जुड़ा जब उन्होंने हंसिका के भाई प्रशांत मोटवानी से शादी की थी. हालांकि, ये रिश्ता ज्यादा समय तक नहीं चल पाया और दोनों के बीच मतभेद बढ़ने लगे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी के कुछ समय बाद ही दोनों अलग रहने लगे और बाद में उनके रिश्ते में गंभीर विवाद सामने आए.

शिकायत भी दर्ज करवाई थी

इन विवादों के बीच मुस्कान ने अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत भी दर्ज करवाई थी. उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके वैवाहिक जीवन में लगातार दखल दिया गया और उन्हें मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा. इस शिकायत में हंसिका और उनकी मां का नाम भी सामने आया था, जिसके बाद यह मामला काफी सुर्खियों में रहा. हालांकि, अब मुस्कान का कहना है कि वह इस पूरे मामले को आगे नहीं बढ़ाना चाहतीं और अपनी जिंदगी पर फोकस करना चाहती हैं.

पोस्ट शेयर कर की रिक्वेस्ट

उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए ये भी कहा कि मीडिया में जो खबरें चल रही हैं, उनमें कई बातें बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जा रही हैं. उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, मैं कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से रिक्वेस्ट करना चाहती हूं कि मुझे किसी और की जिंदगी से जोड़कर खबरें न बनाएं. आप लोगों ने हमेशा मेरा साथ दिया है और समझदारी दिखाई है, इसके लिए मैं दिल से शुक्रिया करती हूं.

अक्षय कुमार के 'भूत बंगला' टीजर ने 'धुरंधर 2' की बखिया उधेड़ दी!

19 मार्च को रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' आ रही है, जिसका बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है. पर 18 मार्च यानी रिलीज से एक दिन पहले ही फैन्स फिल्म देख सकते हैं. पेड प्रीव्यू के लिए एडवांस बुकिंग जारी है. रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ने आ रही है. जिसके टीजर और ट्रेलर को भी लोगों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था. लेकिन 10 अप्रैल का दिन भी सिनेमा प्रेमियों के लिए जबरदस्त साबित होगा. क्योंकि अक्षय कुमार उसी अंदाज में दिखने वाले हैं, जैसे लोग उन्हें देखना चाहते थे. जी हां, प्रियदर्शन की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' से इस साल की शुरुआत करने वाले हैं. फिल्म का हाल ही में टीजर आया, जिसने लोगों को खुश कर दिया. हर किसी का कहना था कि- यह पूरी तरह से 'भूल भुलैया' है. दरअसल दोनों फिल्मों में स्टार्स के अलावा काफी कुछ मिलता-जुलता है. पर ऐसा क्यों कहा जा रहा है कि अक्षय ने 'धुरंधर 2' को पीछे छोड़ दिया है?

हाल ही में जानकारी मिली थी कि 'धुरंधर 2' के प्रोड्यूसर जियो स्टूडियोज वालों ने एग्जीबिटर्स से बड़ी डिमांड की है. वो चाहते हैं कि अगले 6 हफ्ते के लिए सिंगल स्क्रीन पर उन्हें सारे के सारे शोज मिल जाए. साथ ही यह शो नॉन शेयर होंगे. ऐसे में अक्षय कुमार की फिल्म 10 अप्रैल को आ रही है. जिसका नुकसान उन्हें हो सकता है. फिलहाल मामला सुलझाया गया या नहीं, यह अबतक पता नहीं लगा. पर 'धुरंधर 2' ने काम बिगाड़ने की पूरी तैयारी कर रखी है. इसी बीच अक्षय कुमार बड़ी जंग जीते हैं.

अक्षय ने 'धुरंधर 2' को कैसे दी मात ?

'धुरंधर 2' के टीजर और ट्रेलर के अलावा अबतक एक गाना भी रिलीज कर दिया गया है. जिसमें-ऋ्छ ऋ्छ शामिल है. हालांकि, फिल्म का आज से ठीक 1 महीने पहले टीजर आया था. जिसे हिंदी में टोटल 18 मिलियन व्यूज ही मिले थे, जो कि 1.8 करोड़ होता है. साथ ही 21 हजार लोगों ने वीडियो पर कमेंट किए थे. साथ ही टीजर को 4.9 लाख लोगों ने लाइक किया था. उस टीजर में कुछ नया नहीं था, जिसके चलते फैन्स खास खुश नहीं हुए थे. अब हाल ही में 'भूत बंगला' का टीजर आ गया. जो खबर लिखे जाने तक यूट्यूब पर दूसरे नंबर पर ट्रेंड कर रहा है. हालांकि, यह ट्रेंड चार्ट लगातार बदलता रहता है. खास बात यह है कि महज 1 दिन में यह वीडियो 23 मिलियन पार हो चुका है. यानी कि 2.3 करोड़ लोगों ने वीडियो देखा है.

अमर सिंह चमकीला की सक्सेस के बाद इम्तियाज अली-दिलजीत दोसांझ की वापसी, कैसा है मैं वापस आऊंगा का टीजर?

इम्तियाज अली की फिल्मों का अलग ही आनंद देखने को मिलता है. उनकी फिल्मों का इंतजार दर्शक बेसब्री से करते हैं. अब उनकी फिल्म मैं वापस आऊंगा सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. फिल्म को लेकर फैंस के बीच उत्सुकता नजर आ रही है. इसके पहले जब दोनों अमर सिंह चमकीला के जरिए साथ आए तो भी फिल्म को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला. अब दोनों की साथ में आ रही नई फिल्म का टीजर भी जारी कर दिया गया है.

छोटा सा टीजर भले ही फिल्म को लेकर कोई खास जानकारी साझा नहीं कर रहा है लेकिन इस टीजर ने फैंस को इमोशनल जरूर कर दिया है. फिल्म में दिलजीत दोसांझ और शरवरी वाघ की खूबसूरत बॉन्डिंग देखने को मिल रही है. आइए जानते हैं कि फैंस इस टीजर पर क्या रिएक्ट कर रहे हैं.

खास रोल में हैं नसीरुद्दीन शाह

इम्तियाज अली भारतीय सिनेमा में यूनिक किस्म की लव स्टोरी लेकर आते रहे हैं. अब वे मैं वापास आऊंगा में प्यार, बिछड़ने और यादों की ऐसी कहानी लेकर आ रहे हैं जो दर्शकों के दिलों को छूने वाली है. इसके टीजर से ही इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है.

फिल्म के टीजर में दिलजीत, शरवरी और नसीरुद्दीन शाह के किरदारों की झल्कियां नजर आई हैं. इसकी खास बात ये है कि इसमें नसीरुद्दीन शाह ने एक सिख शख्स का रोल प्ले किया है. इसके अलावा फिल्म में वैदांग रैना भी नजर आएंगे. साथ ही फिल्म का ये टीजर म्यूजिकल है जिसमें ए आर रहमान और इरशाद कामिल की जुगलबंदी की तारीफ की जा रही है.

टीजर पर कैसा है लोगों का रिएक्शन ?

टीजर पर रिएक्ट करते हुए एक शख्स ने लिखा- रणबीर के बाद इम्तियाज का नया फेवरेट दिलजीत दोसांझ है. एक दूसरे शख्स ने लिखा- इम्तियाज तो इम्तियाज ही हैं. रहमान तो रहमान ही हैं. इरशाद तो इरशाद ही हैं.

एक और पोएटिक फिल्म देने के लिए इम्तियाज अली का शुक्रिया. वहीं एक दूसरे शख्स ने लिखा- मुझे ये देखकर अच्छा लग रहा है कि लोग एक बार फिर से इम्तियाज अली का समर्थन कर रहे हैं. फिलहाल अभी इस फिल्म की रिलीज में समय है. इसे थियेटर्स में 12 जून 2026 को रिलीज कर दिया जाएगा.

'टिटरी' विवाद में बादशाह को मिला सैंटी शर्मा का साथ, बोले- बिना समझे जज कर रहे लोग

बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में इन दिनों मशहूर रैपर बादशाह अपने नए हरियाणवी गाने 'टिटरी' को लेकर जबरदस्त विवादों में घिरे हुए हैं. गाने के बोल और वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार बहस छिड़ी हुई है. कई लोगों ने इस गाने के कुछ शब्दों और विजुअल्स को आपत्तिजनक बताते हुए कड़ी आलोचना की है. हालांकि, इस विवाद के बीच अब रैपर सैंटी शर्मा खुलकर बादशाह के सपोर्ट में सामने आए हैं और उनका कहना है कि लोगों ने पूरे मतलब को समझे बिना ही सिंगर को जज करना शुरू कर दिया है.

1 मार्च को रिलीज हुए 'टिटरी' गाने के बाद से ही सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई. कुछ संगठनों और दर्शकों का आरोप है कि गाने के बोल महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक हैं और इसमें डबल मीनिंग शब्दों का इस्तेमाल किया गया है. इसी वजह से मामला इतना बढ़ गया कि हरियाणा में शिकायतें दर्ज हुईं और पुलिस ने भी इस मामले की जांच शुरू कर दी. बढ़ते विवाद को देखते हुए बादशाह को पब्लिकली तौर पर माफी भी मांगनी पड़ी और गाने को कई प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया.

सैंटी शर्मा ने पोस्ट किया शेयर

इसी बीच रैपर सैंटी शर्मा ने इस पूरे विवाद पर अपना रिएक्शन देते हुए बादशाह का बचाव किया है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर किया है, जिसमें कहा है कि भारत में अभी भी हिप-हॉप और रैप म्यूजिक की संस्कृति को ठीक से समझा नहीं गया है. उन्होंने कहा कि रैप में कई बार कलाकार कॉम्पिटिशन और क्रिएटिव एक्सप्रेशन के लिए अलग-अलग शब्दों और संदर्भों का इस्तेमाल करते हैं, जिसे लोग अक्सर गलत तरीके से ले लेते हैं. सैंटी ने कहा, किसी भी गाने को लेकर फैसला देने से पहले उसके संदर्भ और म्यूजिक जॉनर को समझना जरूरी है.

'बादशाह को गलत आंका जा रहा है'

सिंगर ने ये भी बताया कि कभी-कभी गाने का ऑडियो उसके वीडियो से पहले तैयार हो जाता है और उसी वीडियो टीम बिल्कुल अलग होती है. अगर सौंग कोई लिरिकल गलत है तो उसके लिरिक्स अपडेट या चेंज करवा देना चाहिए पर जिस प्रकार से बिना पूरा मामला समझे बादशाह को जज किया जा रहा है वो गलत है. अगर किसी को मेरी बात बुरी लगी हो तो उसके लिए दिल से सॉरी पर सच यही है. 'टिटरी' गाने के कुछ बोलों को लेकर सोशल मीडिया पर भारी विरोध देखने को मिला और कई यूजर्स ने इसे महिलाओं के प्रति अपमानजनक बताया.

आईपीएल से पहले सक्रिय हुआ ऑनलाइन सट्टा सिंडिकेट, शहर से गांवों तक फैलाया नेटवर्क

पुलिस सख्ती के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में शिफ्ट हो रहे सटोरिये; मोबाइल-व्हाट्सएप से हाईटेक तरीके से संचालित हो रहा कारोबार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर में पुलिस की सख्ती और लगातार सर्चिंग के चलते अब सटोरियों ने अपना नेटवर्क ग्रामीण इलाकों में शिफ्ट करना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार बरगी, बरेला, पाटन और भेड़ाघाट जैसे क्षेत्रों को अपेक्षाकृत सुरक्षित मानते हुए सट्टा कारोबार वहीं से संचालित करने की तैयारी की जा रही है। सूत्रों के मुताबिक सटोरियों का एक संगठित सिंडिकेट फार्महाउस, चाय-नाश्ते की दुकानों, किराना दुकानों, मोबाइल वैन और खाली पड़े मकानों से हाईटेक ऑनलाइन सट्टा चला रहा है। चर्चा यह भी है कि सट्टे का कलेक्शन और पेमेंट भी इन्हीं स्थानों से किया जा रहा है।

पुलिस की नजर या अनदेखी?

स्थानीय स्तर पर यह सवाल भी उठ रहा है कि पुलिस को इन गतिविधियों की जानकारी है या नहीं, या फिर जानबूझकर अनदेखी की जा रही है। शहर में दबाव बढ़ने के बाद सटोरियों ने गांवों में अपनी मजबूत पैठ बना ली है।

आईपीएल सीजन में बढ़ता कारोबार

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान सट्टा बाजार में भारी उछाल आता है। अनुमान है कि पूरे सीजन में 1200 से 1500 करोड़ रुपये तक का कारोबार हो सकता है। इसी को देखते हुए सटोरिये पहले से ही फील्डिंग जमा रहे हैं। क्राइम ब्रांच की टीम शहर के इलाकों में मुखबिर तंत्र सक्रिय कर संदिग्ध स्थानों पर नजर बनाए हुए है, ताकि आईपीएल के दौरान बड़े स्तर पर सट्टा संचालन को रोका जा सके।

ऐसे चलता है ऑनलाइन सट्टा नेटवर्क

ऑनलाइन सट्टा अब पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। कंप्यूटर और लैपटॉप में एजेंटों के नाम और रकम को कोड वर्ड में दर्ज किया जाता है। सटोरियों के तार मुंबई, कोलकाता और दुबई तक जुड़े होने की बात सामने आ रही है। यह सट्टा एक विशेष ऐप के जरिए खेला जाता है, जिसे सीधे डाउनलोड नहीं किया जा सकता। भरोसेमंद लोगों को एक लिंक भेजा जाता है, जिसके माध्यम से ऐप इंस्टॉल कर सट्टा खेला जाता है।

सबूत मिटाने के लिए हाईटेक तरीका

सटोरिये मोबाइल और व्हाट्सएप का इस्तेमाल कर लेन-देन करते हैं और मैच खत्म होते ही चैट डिलीट कर सिम बदल देते हैं, ताकि पुलिस को कोई ठोस सबूत न मिल सके।

ग्रामीण इलाकों में तेजी से फैल रहा जाल

जानकारी के अनुसार जबलपुर के साथ-साथ कटनी, दमोह, मंडला, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, शहडोल और अनूपपुर जैसे जिलों तक यह नेटवर्क फैल चुका है, जहां से ऑनलाइन आईपीएल सट्टा संचालित किया जा रहा है।

आरडीयू में परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल पूरी तरह बैन, छात्र शिक्षक सभी पर लागू नियम

परीक्षा गोपनीयता पर उठे सवालों के बाद सख्त फैसला; उल्लंघन पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (आरडीयू) प्रशासन ने परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता और गोपनीयता बनाए रखने के लिए बड़ा फैसला लिया है। विश्वविद्यालय ने सभी परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन के उपयोग और रखने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। परीक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार अब परीक्षा केंद्रों पर छात्र-छात्राएं, पर्यवेक्षक, वीक्षक और अन्य अधिकारी—कोई भी मोबाइल फोन का उपयोग नहीं कर सकेगा। केंद्र परिसर में मोबाइल का उपयोग और संग्रहण पूरी तरह वर्जित रहेगा और इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

शिकायतों के बाद लिया गया निर्णय

यह फैसला ऐसे समय में आया है जब हाल ही में परीक्षा की गोपनीयता को लेकर कई सवाल उठे थे। छात्र संगठनों और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने आरोप लगाए थे कि कुछ केंद्रों पर परीक्षा शुरू होने से पहले ही प्रश्नपत्र से जुड़ी जानकारी लीक होने की आशंका रहती है, जिससे परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। पिछले सप्ताह एनएसयूआई (ठरवक) के प्रतिनिधिमंडल ने भी इस मुद्दे को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी और सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

कानूनी प्रावधानों का भी हवाला

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। ह्मान्यता प्राप्त परीक्षाओंह्व में किसी भी प्रकार की अनियमितता गंभीर मानी जाती है। मध्यप्रदेश मान्यता प्राप्त परीक्षा अधिनियम 1937 के तहत परीक्षा गोपनीयता भंग होने या गड़बड़ी पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है।

पारदर्शिता बढ़ाने की कोशिश

अधिकारियों का कहना है कि इस निर्णय से परीक्षा प्रणाली में अनुशासन और निगरानी मजबूत होगी। शिक्षा विशेषज्ञों का भी मानना है कि यदि निदेर्शों का कड़ाई से पालन हुआ तो इससे परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और विश्वास दोनों बढ़ेंगे।

जबलपुर रेलवे स्टेशन पर बंद पड़े वाटर कूलर, गर्मी में यात्री परेशान

ठंडे पानी की सुविधा नहीं मिलने से यात्रियों को खरीदना पड़ रहा बोतलबंद पानी

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

गर्मी का दौर शुरू होते ही जहां यात्रियों को ठंडे पानी की जरूरत बढ़ गई है, वहीं जबलपुर रेलवे स्टेशन पर लगे दर्जनों वाटर कूलर अब तक चालू नहीं किए गए हैं। इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि स्टेशन पर ठंडे पानी की सुविधा न मिलने के कारण यात्रियों को मजबूरी में फ्रिज में रखे बोतलबंद पानी की तलाश करनी पड़ रही है। कई यात्री इधर-उधर भटकते नजर आ रहे हैं। जबलपुर रेलवे स्टेशन के 7 प्लेटफॉर्मों पर 24 घंटे के भीतर सैकड़ों ट्रेनों का संचालन होता है। यहां प्रतिदिन एक लाख से अधिक यात्रियों का आवागमन होता है, जिन्हें इस भीषण गर्मी में ठंडे पानी की आवश्यकता होती है। हालांकि प्लेटफॉर्म पर लगे फिल्टर वाटर मशीन और स्टॉल्स से पानी उपलब्ध है, लेकिन निःशुल्क ठंडे पानी के लिए लगाए गए वाटर कूलर बंद पड़े हैं, जिससे खासकर गरीब और सामान्य यात्रियों को दिक्कत हो रही है। ठंडा पानी नहीं मिलने से यात्रियों को 14 रुपये तक की बोतल खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे उनका अतिरिक्त खर्च बढ़ रहा है।

प्रशासन से मांग

यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि गर्मी को देखते हुए जल्द से जल्द सभी वाटर कूलरों को चालू किया जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके और स्टेशन पर बुनियादी सुविधाएं सुचारु रूप से मिल सकें।

जबलपुर में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, बार का लाइसेंस 3 दिन के लिए निलंबित

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर में अवैध शराब कारोबार और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आबकारी विभाग ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की। दीनदयाल चौक बस स्टैंड स्थित एक बार पर छापेमारी के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद उसका लाइसेंस तीन दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया। आबकारी विभाग और उड़नदस्ता (फ्लाइंग स्क्वॉड) की संयुक्त टीम ने औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि बार की तीसरी मंजिल पर बिना वैध अनुमति के विदेशी शराब बेची और परोसी जा रही थी, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है।

नियमों की खुली अनदेखी

नियमों के अनुसार बार संचालक को केवल लाइसेंस में निर्धारित स्थान और शर्तों के तहत ही शराब बेचने और परोसने की अनुमति होती है। लेकिन जांच में इन नियमों की अनदेखी सामने आई।

संचालक पर जिम्मेदारी तय

मामले में लाइसेंसधारी जितेंद्र तिवारी को जिम्मेदार मानते हुए विभाग ने सख्त कार्रवाई की। जारी आदेश के मुताबिक 19 मार्च से 21 मार्च तक बार का संचालन पूरी तरह बंद रहेगा। आबकारी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में अवैध रूप से शराब बिक्री या नियमों के उल्लंघन की किसी भी शिकायत पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डांट से नाराज 11 साल का बच्चा घर से निकला, 2 घंटे बाद सुरक्षित मिला

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

पढ़ाई नहीं करने और दिनभर खेलने को लेकर मां की डांट से नाराज होकर एक 11 वर्षीय बच्चा घर छोड़कर चला गया। देर रात तक घर वापस न लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई, जिसके बाद उन्होंने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस कंट्रोल रूम से पनागर थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को मौके के लिए रवाना किया गया। वायरलेस के जरिए जानकारी प्रसारित की गई कि उमरिया चौबे गांव से एक बच्चा लापता है और उसकी तलाश की जा रही है। डायल-112 स्टाफ आरक्षक विवेक और पायलट सुरेंद्र तिवारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से बच्चे की जानकारी और फोटो लेकर आसपास के इलाकों में तलाश शुरू की और लोगों से पूछताछ की। करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद बच्चा गांव के स्कूल के पास खड़ी एक ट्रॉली में सोता हुआ मिला। पुलिस ने बच्चे की पहचान की पुष्टि कर उसे सुरक्षित उसकी मां के सुपुर्द कर दिया।

शहर में मॉडिफाइड बाइक का आतंक, तेज आवाज से लोग परेशान

साइलेंसर हटाकर दौड़ा रहे बाइक, 125 डेसीबल तक पहुंच रही आवाज; स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा असर

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर की प्रमुख सड़कों और कॉलोनियों में इन दिनों मॉडिफाइड बाइकों का शोर लोगों के लिए बड़ी परेशानी बनता जा रहा है। सैकड़ों युवा अपनी बाइकों के साइलेंसर बदलकर उन्हें तेज आवाज वाली बना रहे हैं और सड़कों पर तेज रफ्तार में दौड़ा रहे हैं। इन बाइकों से निकलने वाली आवाज सामान्य मानक से कहीं ज्यादा होती है। जहां मानव कानों के लिए 80 डेसीबल तक की आवाज सुरक्षित मानी जाती है, वहीं ये मॉडिफाइड बाइक 125 डेसीबल या उससे अधिक शोर कर रही हैं। इससे सड़क पर चल रहे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं असहज महसूस कर रहे हैं।

शहर में फिर बढ़ा ट्रेंड

कुछ साल पहले पुलिस की सख्ती के बाद ऐसे बाइकर्स कम हो गए थे, लेकिन अब फिर से इनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। बुलेट, पल्सर समेत 150 सीसी से अधिक क्षमता वाली बाइकों के साइलेंसर बदलकर युवक तेज आवाज निकाल रहे हैं।

संवेदनशील क्षेत्रों में भी नहीं रोक

बाजार, अस्पताल और धार्मिक स्थलों जैसे संवेदनशील इलाकों में भी ये युवक बिना किसी डर के बाइक दौड़ाते नजर आते हैं। कई बार बाइक से पटाखे जैसी आवाज निकालकर लोगों को डराने की घटनाएं भी सामने आ रही हैं।

मिस्त्री भी बढ़ा रहे समस्या

शहर में कुछ बाइक मैकेनिक बिना किसी नियम के साइलेंसर में बदलाव कर रहे हैं, जिससे बाइकों की आवाज और तेज हो जाती है। यह काम खुलेआम किया जा रहा है।

स्वास्थ्य पर गंभीर असर

विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक तेज शोर के संपर्क में रहने से सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा नींद न आना, सिरदर्द, थकान और दिल की धड़कन में असामान्यता जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। तेज आवाज के कारण शरीर में स्ट्रेस हार्मोन (कॉर्टिसोल, एड्रेनालिन) का स्तर बढ़ जाता है, जिससे हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोग का खतरा भी बढ़ता है।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

स्थानीय लोगों ने प्रशासन और पुलिस से मांग की है कि ऐसे बाइकर्स और गैरकानूनी मॉडिफिकेशन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि शहर में शांति और सुरक्षा बनी रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com